दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com

RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 133 | झांसी 17/शनिवार /अप्रेल/2021 | पृष्ठ -8 मूल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

ऑटोमेटिक गेट लॉक,कार में दम घुटने से तीन बच्चियों की मौत

नई दिल्ली। राजस्थान के भरतपुर में रूपवास थाना क्षेत्र के गांव कांदौली में कार में दम घुटने से तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। मृतक तीनों बच्चियां एक घर मे सत्संग कर प्रभु का स्मरण किया जा रहा था और घर के बाहर खड़ी एक कार का दरबाजा बन्द होने के बाद दम घुटने से मरने वाली तीनो की मौत हो गई। मृतक मासूमों के नाम छह साल की हिना पुत्री रामबाबू, साढ़े पांच साल की वैष्णवी पुत्री लक्ष्मण और पांच साल की पीहू पुत्री कैलाश बताये गए है। तीनों बच्चियां अपनी मां के साथ वहां आई थीं। सत्संग की आवाज के कारण बच्चियों की आवाज को कोई नहीं सुन पाया और उन्होंने एक एक कर दम तोड़ दिया। बताया गया कि तीनों बालिकाएं खेलते-खेलते कार के पास पहुंच गईं। बालिकाओं ने कार का दरवाजा खोल लिया और कार के अंदर बैठ गईं। इसके बाद कार ऑटोमेटिक बंद हो गई।

नीट पीजी परीक्षा स्थगित, नई तारीख बाद में घोषित होगी

नई दिल्ली। नीट पीजी परीक्षा स्थगित कर दी गई है। नई परीक्षा तिथि की घोषणा स्थिति की समीक्षा के बाद की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में पीजी कोर्सेज में एडमिशन के लिए यह प्रवेश परीक्षा 18 अप्रैल को होनी थी। इसमें देश भर से 1.70 लाख छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। सीबीएसई समेत विभिन्न बोर्डों की परीक्षाएं, यूनिवर्सिटी एग्जाम्स व प्रवेश परीक्षाएं टलने के बाद नीट पीजी को भी स्थगित करने की मांग की जा रही थी। डॉक्टरों के एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नीट पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग भी की थी। याचिका में कहा गया है कि नीट पीजी देने वाले सैंकड़ों परीक्षार्थी इन दिनों कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

निवार्णी अखाड़े के महामंडलेश्वर कपिल देव की कोरोना से मौत

देहरादून। निवार्णी अखाड़े के महामंडलेश्वर कपिल देव का संक्रमण से निधन हो गया। वह मध्यप्रदेश के चित्रकूट से कुंभ में शामिल होने के लिए हरिद्वार गए थे। पॉजिटिव होने के बाद से उनका देहरादून के कैलाश हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। हॉस्पिटल मैनेजमेंट के मुताबिक, बुधवार को उनका निधन हो गया। कुंभ के दौरान संक्रमण से जान गंवाने वाले कपिल देव पहले बड़े संत हैं। उत्तराखंड के कोविड-19 स्टेट कंट्रोल रूम के मुताबिक, 10 से 14 अप्रैल के दौरान हरिद्वार में 2167 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले हैं।

हैदराबाद में ट्रक में आग लगने से दो लोग जिंदा जले

हैदराबाद। यहां आउटर रिंग रोड पर गुरुवार को एक ट्रक कंटेनर में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि पीछे से एक अन्य वाहन को टक्कर मारने के बाद कंटेनर ट्रक में आग लग गई। दुर्घटना हिमायत सागर में तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी के पास हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि चालक और क्लीनर की आग में झुलसने से मौत हो गई। आग की लपटों ने केबिन को तेजी से अपनी चपेट में लिया, जिससे वह झुलस गए। कुछ राहगीरों ने केबिन की खिड़की के शीशे तोड़कर ड्राइवर और क्लीनर को बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। आग को बुझाने के लिए एक फायर टेंडर जबतक घटनास्थल पर पहुंचा, ट्रक पहले ही आग की चपेट में आकर जल चुका था।

भारत में मई से शुरू होगा स्पुतनिक वी वैक्सीन का आयात

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच भारत में हाल ही में तीसरी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की भी मंजूरी दे दी गई। इससे जुड़े लोगों के अनुसार रूसी निर्मित कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक वी के अगले महीने से भारत में आयात होने की संभावना है। जहां तक भारत में इसके निर्माण की बात है तो इसमें फिलहाल जून या जुलाई तक का समय लग सकता है।

देश में कोरोना के रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मरीज मिले, हालात नियंत्रण से बाहर, कई राज्यों में हाहाकार

ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ रहे मरीज, अस्पतालों में बेड ही नहीं

■ नईदिल्ली

देश में एक बार फिर से कोरोना ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देश कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में है। कोरोना ने देश का बुरा हाल कर दिया है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर बेहद खतरनाक होती जा रही है। इसमें संक्रमण के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, साथ ही मौतों का ग्राफ भी तेजी से ऊपर उठ रहा है देश के कई राज्यों के अस्पतालों में ना बेड खाली हैं और ना ही ऑक्सीजन। इस कारण मरीज बेहाल हैं। ऑक्सीजन के अभाव में मरीज दम तोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में अमूमन यही हाल है। देश के कई अस्पतालों की ये हालत है कि वे ना तो किसी मरीजों को भर्ती कर रहे हैं और ना ही ऑक्सीजन की कोई सप्लाई है। कोरोना की दूसरी लहर इतनी बढ़ गई है कि इसको कोई पूरा नहीं कर पा रहा है, मरीज ऑक्सीजन के बिना तड़प रहे हैं। कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे कई अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की आपूर्ति में भारी कमी दर्ज की गई है।

10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हालात ज्यादा गंभीर हैं। पिछले एक दिन में सामने आए नए मामलों में से 82.04 फीसद इन्हीं राज्यों से हैं। इनमें से महाराष्ट्र में हालात सबसे अधिक खराब है। आठ दिन में लगातार सातवीं बार कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं। वैसे इन राज्यों समेत कुल 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। देश के कुल मामलों का लगभग एक चौथाई हिस्सा महाराष्ट्र में ही है।

सक्रिय केस के मामले में यूपी दूसरे नंबर पर है। प्रदेश में अब तक 7.44 लाख लोग संक्रमित हुए हैं और इसमें से 6.22 लाख ठीक हो चुके हैं। तीसरे नंबर पर कर्नाटक में 85 हजार से ज्यादा सक्रिय केस हैं। मध्य प्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी देखी जा रही है। मरीज तड़प रहे हैं लेकिन अस्पताल एडमिट नहीं कर रहे हैं। अस्पतालों के पास ना बेड हैं और ना ही ऑक्सीजन। अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीज दम तोड़ रहे हैं। सरकारी हेल्थ बुलेटिन में मौतों के आंकड़े और श्मशान में अंतिम संस्कार के लिए पहुंच रहे शवों की संख्या में बड़ा अंतर है। सरकार दावा कर रही है कि प्रदेश में मौजूदा मरीजों के हिसाब से ऑक्सीजन की कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई अस्पतालों ने गंभीर मरीजों को भर्ती करने से इनकार करना शुरू कर दिया है। इंदौर में ऑक्सीजन का इंतजाम करने में शासन-प्रशासन फेल दिखाई दे रहा है। ऐसे में इंदौर के एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मप्र ने राजस्थान के निम्बाहेड़ा और चित्तौड़गढ़ के दो प्लांटों से इंदौर के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति का करार करना पड़ा। इन प्लांटों से 600 सिलेंडर की पहली खेप मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र में भी हालात भयावह

महाराष्ट्र के साथ-साथ गुजरात और दिल्ली सहित अन्य राज्यों के अस्पतालों और डॉक्टरों पर भारी बोझ पड़ रहा है। नागपुर में स्थिति भयानक है। गुजरात के अस्पतालों में भी ऑक्सीजन की कमी की सूचना है। झारखंड में ऑक्सीजन की डिमांड 20 गुना तक बढ़ चुकी है।

छत्तीसगढ़: ऑक्सीजन की कमी से 4 मरीजों की मौत

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव ब्लॉक में 4 कोरोना मरीजों की मौत कथित रूप से ऑक्सीजन की अनुपलब्धता के कारण हुई है। उन्हें कचरा वाहन में दाह संस्कार के लिए ले जाया गया। इस पर सीएमएचओ ने कहा है कि हमने जिले के प्रत्येक देखभाल केंद्र में 10-15 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था की है। कल रात तीन लोगों की मृत्यु हो गई है। उन्हें इलाज के दौरान ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया था। चौथे व्यक्ति को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

दिल्ली समेत कई राज्यों का भी वही हाल

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश के साथ ही दिल्ली समेत कई राज्यों का भी यही हाल है। अस्पतालों में बेड का संकट तो है ही, इसके साथ ही ऑक्सीजन कमी का भी संकट है। इस संकट के सामने सिस्टम दम तोड़ रहा है। दिल्ली में ऑक्सीजन की सप्लाई की डिमांड बढ़ गई है। राजस्थान में ऑक्सीजन की डिमांड बढ़ गई है। यूपी में भी ऑक्सीजन की डिमांड बढ़ गई है।

दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू का ऐलान

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कोहराम के बीच स्थिति को काबू करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक के लिए वीकेंड कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया है। केजरीवाल गुरुवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ बैठक में शहर के कोविड-19 हालात पर हुई चर्चा के बाद वीकेंड कर्फ्यू की घोषणा की है। वीकेंड कर्फ्यू के दौरान मॉल, स्पा, जिम, ऑडिटोरियम आदि सब बंद रहेंगे, लेकिन सिनेमा हॉल 30 प्रतिशत क्षमता के साथ चल सकेंगे। केजरीवाल ने कहा कि एक साप्ताहिक बाजार को एक दिन में और एक जोन के हिसाब से अनुमति दी जाएगी।

पैरा मिलिट्री फोर्स का मेडिकल स्टाफ मांगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भी कोरोना वायरस का कहर जारी है। संक्रमण की दूसरी लहर से रायपुर जिला सबसे अधिक प्रभावित है। यहां 100 लोगों की जांच करने पर 50 पॉजिटिव मिल रहे हैं। रायपुर में बुधवार को 3,960 पॉजिटिव मिले, जबकि 33 संक्रमितों की मौत हुई है। रायपुर प्रदेश का ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख के पार हो गया है। राज्य के 18 जिलों में लॉकडाउन के बाद भी प्रदेश की संक्रमण दर बेतहाशा बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर सेंट्रल पैरा मिलिट्री फोर्स का मेडिकल स्टाफ भेजने की मांग की,

जबलपुर में ऑक्सीजन खत्म, 5 मरीजों की मौत

मध्यप्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से मौतों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। जबलपुर में लिक्विड प्लांट में आई खराबी के कारण ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने से गुरुवार सुबह 5 मरीजों की मौत हो गई। सभी वेंटिलेटर पर थे। वहीं 4 की हालत गंभीर है। यहां के मेडिसिटी अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से वेंटिलेटर पर 82 वर्षीय महिला की तड़प-तड़प कर जान चली गई। वहीं 4 की मौत सुख-सागर मेडिकल कॉलेज में हुई है। मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन की कमी इसलिए हो रही हैं, क्योंकि गुजरात की ओर से ऑक्सीजन की सप्लाई में रुकावटें आ गई हैं। महाराष्ट्र से ऑक्सीजन की सप्लाई बंद कर दी गई है, क्योंकि वह खुद एक बड़े संकेट में है। महाराष्ट्र में सप्लाई की जा रही पूरी की पूरी ऑक्सीजन सिर्फ कोरोना मरीजों को दी जा रही है। लेकिन इसकी डिमांड कहीं ज्यादा है। पुणे जैसे शहरों की डिमांड कहीं ज्यादा है।

अस्पतालों के बाहर लंबी कतार

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक दो लाख नए मामले सामने आए हैं। ये मामले 10 दिन में लगभग दोगुना हो गए है। अमेरिका में एक लाख से दो लाख मामले पहुंचने में 21 दिन लगे थे। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और केरल समेत 16 राज्यों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इनमें से भी अकेले महाराष्ट्र में ही सबसे अधिक एक्टिव केस हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 2 लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 1,038 लोगों की मौत हुई है और मृतकों की संख्या 1,73,123 हो गई है। पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद पहली बार एक दिन में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, मृत्युदर में लगातार गिरावट आ रही है और मौजूदा समय में यह 1.24 फीसद पर आ गई है। देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ 40 लाख 74 हजार को पार कर गया है। इनमें से एक करोड़ 24 लाख 29 हजार से ज्यादा मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। मरीजों के उबरने की दर 88.92 फीसद पर आ गई है।

यूपी, गुजरात और हरियाणा बोर्ड की परीक्षाएं भी टलीं

पंजाब में भी 5वीं, 8वीं और 10वीं के स्टूडेंट्स प्रमोट होंगे

■ नईदिल्ली

उडरए के बाद अब उत्तर प्रदेश, गुजरात और हरियाणा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं भी टाल दी गई हैं। उत्तर प्रदेश में अब 20 मई के बाद ही परीक्षाएं होने की संभावना है। यहां विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं और कक्षाओं को भी 15 मई तक टाल दिया गया है। क्लास 1 से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूल भी 15 मई तक बंद रहेंगे। गुजरात सरकार ने बताया कि अब 15 मई के बाद हालात का जायजा लेकर एग्जाम की नई डेटशीट जारी की जाएगी। सरकार ने क्लास 1 से लेकर 9वीं तक और 11वीं के स्टूडेंट्स को बगैर परीक्षा के प्रमोट करने का भी फैसला लिया है। हरियाणा सरकार ने 10वीं के स्टूडेंट्स को बगैर परीक्षा प्रमोट करने का फैसला लिया है। 12वीं के स्टूडेंट्स के एग्जाम के लिए बाद में डेटशीट जारी की जाएगी। पंजाब सरकार ने 5वीं, 8वीं और 10वीं के स्टूडेंट्स को प्रमोट करने का ऐलान किया है।

बंगाल में लेफ्ट पार्टियों का अच्छा फैसला

पश्चिम बंगाल में लेफ्ट पार्टियों ने अच्छा फैसला लिया है। कोरोना को देखते हुए पार्टी ने आने वाले तीन चरणों के चुनाव में कोई भी बड़ी रैली न करने का ऐलान किया है। पार्टी के नेताओं ने कहा कि अब वे डोर टू डोर कैंपेन शुरू करेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन तरीकों से भी प्रचार किया जाएगा।

नाव से गुजरात में घुसे 8 पाकिस्तानियों को दबोचा

कच्छ। समुद्र के रास्ते गुजरात में भारतीय सीमा में घुसे 8 पाकिस्तानियों को दबोच लिया गया है। 30 किलो हिरोइन लेकर 'नूह' नाम के नाव से भारतीय सीमा में दाखिल हुए इन पाकिस्तानियों को एटीएस गुजरात और इंडियन कोस्ट गार्ड ने 14-15 की दरम्यानी रात कच्छ के जखाऊ के पास गिरफ्तार किया है। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। भारत को ड्रग्स के जरिए बर्बाद करने का सपना पाल रहा पाकिस्तान कभी ड्रोन के सहारे जम्मू-कश्मीर, पंजाब में खेप भेजने की कोशिश करता है तो कभी समुद्री रास्ते गुजरात में। भारतीय कोस्ट गार्ड की ओर से बताया गया है कि गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के साथ मिलकर इस मिशन को अंजाम दिया गया। गुरुवार को कच्छ जिले के जखाऊ तट के पास मछली पकड़ने वाली एक नौका को घेरा गया। इसमें 8 पाकिस्तानी नागरिक सवार थे। तलाशी लेने पर नौका में से 30 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई।

बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 150 करोड़

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में नमाज की इजाजत

हाईकोर्ट ने कहा- एक साथ 50 लोग 5 बार नमाज पढ़ सकते हैं

■ नईदिल्ली

निजामुद्दीन मरकज पिछले साल 31 मार्च से बंद है। तब यहां तब्लीगी जमात के आयोजन में जुटी भीड़ से देशभर में कोरोना फैलने का मुद्दा उठा था। निजामुद्दीन मरकज पिछले साल 31 मार्च से बंद है। तब यहां तब्लीगी जमात के आयोजन में जुटी भीड़ से देशभर में कोरोना फैलने का मुद्दा उठा था। फोटो तभी की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने निजामुद्दीन मरकज में रमजान के दौरान एक साथ 50 लोगों को नमाज पढ़ने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि मरकज के फर्स्ट फ्लोर पर दिन में 5 बार नमाज पढ़ी जा सकेगी, लेकिन कोरोना गाइडलाइंस का पालन करना होगा।

कोर्ट ने फर्स्ट फ्लोर को छोड़ किसी और फ्लोर पर नमाज अदा करने की परमिशन देने से इनकार कर दिया। लेकिन कहा कि वक्फ बोर्ड इसके लिए निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन के रलङ के पास एप्लिकेशन दे सकता है। बता दें कि इस मामले में दिल्ली वक्फ बोर्ड ने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। उसका कहना था कि कुंभ मेला और दूसरे आयोजन चल रहे हैं तो रमजान के दौरान मरकज को भी खोलने की इजाजत दी जाए।

बठिंडा में निहंगों ने दुकानदार का हाथ काट डाला

बिना पैसे दिए सामान लिया और फिर झगड़ने लगे

■ बठिंडा

पंजाब के बठिंडा में गुरुवार को निहंगों ने एक दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। निहंगों ने धारदार हथियार से उसका हाथ काट दिया। दुकानदार के हाथ में 20 टांके आए हैं। यह घटना मामला तलवंडी साबो स्थित दमदमा साहिब तख्त की है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित दुकानदार अतिंद्र सिंह बरनाला जिले के धनौला के रहने वाले हैं। वे अभी सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि वे हर साल बैसाखी मेले में गुरुद्वारे के बाहर कृपाण, गातरा की दुकान लगाते हैं।

बेटी से दुष्कर्म से गुस्साए पिता ने 6 लोगों को किया मर्डर

विशाखापट्टनम। आंध्रप्रदेश के विशाखपट्टनम जिले में हैरान करने वाली खौफनाक घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने एक ही परिवार के 6 लोगों की हत्या कर दी। घटना बुधवार देर रात जट्टादा गांव की है। बताया जा रहा है कि मृतक परिवार के एक सदस्य ने हत्या के आरोपी की बेटी से कथित तौर पर बलात्कार किया था। मौके पर पहुंचकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही हत्या करने वाला शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, जब बेटी के पिता को बलात्कार की घटना की जानकारी हुई, तो वह भड़क गया था। इसके बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया। कथित बलात्कारी युवक अभी फरार है।

विफलता — कई राज्य वैक्सीन के अभाव से परेशान, केंद्र से लगा रहे गुहार

टीका उत्सव के 4 दिन में 12 फीसदी घट गया वैक्सीनेशन

■ नईदिल्ली

देश में कोरोना वैक्सीन के संकट पर असमंजस बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 से 14 अप्रैल के बीच देशभर में कोरोना टीका उत्सव मनाने का ऐलान किया था। इसका खूब प्रचार-प्रसार भी किया गया। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े मानें तो इस दौरान वैक्सीनेशन बढ़ने की बजाय 12% घट गया। हालांकि, केंद्र सरकार का दावा है कि इस बीच वैक्सीन की 1.28 करोड़ डोज दी गई है। देशभर में वैक्सीन की कमी को लेकर कई राज्य खुलकर बोल चुके हैं। राज्य सरकारों ने जब वैक्सीन की कमी के बारे में बोला तो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन खुद आंकड़े पेश करने उतर आए। दावा किया था कि पूरे देश में कहीं भी वैक्सीन की कमी नहीं है। तमाम कोशिशों के बावजूद वैक्सीनेशन में आई कमी ने सरकार के दावे की पोल खोल दी है।

टीका उत्सव के दौरान यानी 11 से 14 अप्रैल के बीच देशभर में वैक्सीन की 99.64 लाख डोज लगाई गई। इसके पहले 7 से 10 अप्रैल के बीच 1.13 करोड़, 3 से 6 अप्रैल के बीच 1.10 करोड़ और 30 मार्च से 2 अप्रैल के बीच 99.99 लाख वैक्सीन की डोज लगाई गई थी। आंकड़ों से साफ है कि टीका उत्सव में वैक्सीनेशन काफी घट गया, जबकि इस उत्सव का मकसद ही टीकाकरण को बढ़ाना था। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दो अलग-अलग आंकड़े हैं।

पहला दावा है 15 अप्रैल को ही जारी किया गया। इसके अनुसार इस बीच 1.28 करोड़ वैक्सीन की डोज लगाई गई। टीका उत्सव के पहले दिन 29.33 लाख, दूसरे दिन 40.04 लाख, तीसरे दिन 26.46 लाख और चौथे दिन 33.13 लाख वैक्सीन लगाई गई। दूसरे दावे के अनुसार ये आंकड़ा हर दिन शाम को जारी होने वाले बुलेटिन का है। इसमें स्वास्थ्य मंत्रालय हर दिन हुए वैक्सीनेशन का आंकड़ा जारी करती है। इसके मुताबिक, इन 4 दिनों में 1.20 करोड़ वैक्सीन की डोज लगाई गई है। 11 अप्रैल की बुलेटिन में बताया गया कि टीका उत्सव के पहले दिन 27 लाख से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाया गया। दूसरे दिन 37 लाख, तीसरे दिन 25 लाख और चौथे दिन यानी 14 अप्रैल को 31.39 लाख वैक्सीन की डोज दी गई। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 11 अप्रैल को टीका उत्सव की शुरूआत करते हुए कहा था, 'आज 11 अप्रैल यानी ज्योतिबा फुले जयंती से हम देशवासी टीका उत्सव की शुरूआत कर रहे हैं।

इन राज्यों ने वैक्सीन की कमी का आरोप लगाया

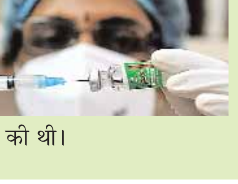

महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, राजस्थान और ओडिशा ने वैक्सीन की आपूर्ति में कमी का आरोप लगाया था। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस बाबत डॉक्टर हर्षवर्धन को पत्र भी लिखा था। इस पत्र में कहा गया था कि वैक्सीन की कमी के कारण 700 टीकाकरण केंद्र को बंद करना पड़ा है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने भी वैक्सीन की सप्लाई बढ़ाने की मांग की थी।

संक्षेप में...

मालिनी गौड़ की सास, बेटे, बहू के साथ 2 साल की पोती भी पॉजिटिव

इंदौर। शहर की पूर्व मेयर और वर्तमान विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ का परिवार कोरोना संक्रमित हो गया। जानकारी अनुसार पूर्व महापौर गौड़ की 90 साल की सास सहित तीनों बेटे, दोनों बहू के अलावा 4 साल की पोती भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गई है। मालिनी गौड़ ने बताया कि मेरी रिपोर्ट तो निगेटिव आई है। लेकिन परिवार के अन्य सभी लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर मैंने खुद को होम आइसोलेशन में कर लिया है। पूरा परिवार घर पर ही रहकर इलाज ले रहा है। बता दें कि गौड़ भी करीब 4 महीने पहले कोरोना की चपेट में आ चुकी हैं।

भतीजी को डरा धमकाकर नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म

इंदौर। पहले नाबालिग को धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया है। नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने मौसा के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी टैक्सी ड्राइवर है और उसके खिलाफ तीन प्रकरण पहले से दर्ज हैं। उसने अपनी पहली पत्नी को तलाक दे दिया है और दूसरी पत्नी के साथ अभी रह रहा है। माता-पिता के साथ रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंची 17 साल की पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह 10वीं की छात्रा है। 9 अप्रैल को उसकी मां के साथ कुछ कहासुनी हो गई थी। जिसके कुछ देर बाद उसका मौसा उसके घर मिलने आया। मौसा का पहली पत्नी से तलाक हो चुका है, लेकिन मौसा उसके घर आते-जाते रहता था। मौसा ने उसे गोदी पुत्री के रूप में ले रखा है।

ऑक्सीजन सिलेंडर देने से मना किया, फैक्टरी कर दी सील

इंदौर। कोरोना में गंभीर बीमारों को आक्सीजन न देने पर एक प्लांट को सील कर दिया गया है। इससे पहले शहर में कोरोना के गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत के लिए निगम विभिन्न उद्योगों से अब तक 600 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर जुटा चुका है। देवास नाका के एक फैक्टरी संचालक ने निगम की टीम को ऑक्सीजन सिलेंडर देने से मना कर दिया और तहसीलदार से अभद्रता की। इस पर निगम की टीम ने फैक्टरी सील करने की कार्रवाई कर दी। जोन 8 के जोनल अधिकारी अश्विन जनवदे ने बताया देवास नाका क्षेत्र के एसके कंपाउंड में मेटल वेल्ड फर्म से ऑक्सीजन सिलेंडर देने को लेकर बात की गई थी। इस पर फैक्टरी मालिक अनिल पंवार ने 5 सिलेंडर देने का आश्वासन दिया था। तहसीलदार सुदीप मीणा के साथ निगम की टीम सिलेंडर लेने के लिए मेटल वेल्ड फर्म पर पहुंची तो वहां के कर्मचारियों ने सिलेंडर फर्म में होने से ही मना कर दिया। इस दौरान अनिल पंवार वहां पहुंचे और तहसीलदार से अभद्रता शुरू कर दी। निगम की टीम ने तत्काल फैक्टरी सील कर दी।

बीचबचाव करने आए पड़ोसी को लगी गोली,इलाज के दौरान मौत

ग्वालियर। भाई-बहन के झगड़े में बीच बचाव करने की कीमत पड़ोसी को जान देकर चुकानी पड़ी। शराब के नशे में सिरफिरा भाई बहन को पीट रहा था। वह बचने के लिए पड़ोसी के घर की तरफ भागी। पड़ोसी ने बचाने का प्रयास किया तो युवक ने उसके सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद हमलावर भाग गया। घायल को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पनिहार थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पनिहार थाना क्षेत्र के सालपुरा निवासी 34 वर्षीय गोपाल कुशवाह पुत्र जोगीराम कुशवाह किसान है। यहां वह अपने पत्नी व बच्चों के साथ रहते हैं। बुधवार रात करीब 9 बजे वह अपने घर पर खाना खा रहे थे, तभी बाहर से शोर आ रहा था। शोर क्यों हो रहा है यह देखने के लिए उन्होंने दरवाजा खोला तो देखा कि पास ही रहने वाले विष्णु वाल्मीकि व उसकी बहन आशा दौड़ते हुए उसके घर पहुंचे। आशा ने बचाने की गुहार लगाई। जिस पर उन्हें समझाइश दी लेकिन नशे में धुत्त पड़ोसी ने गोली चला दी।

रात 9 बजे से 23 अप्रैल के सुबह 9 बजे तक लॉक हुआ ग्वालियर

खंडवा। कोरोना संक्रमण के बीच खंडवा शहर में 7 दिन का लॉकडाउन लगाया जा रहा है। लॉकडाउन 15 अप्रैल की रात 9 बजे से 23 अप्रैल की सुबह 9 बजे तक रहेगा। इसकी पुष्टि एसडीएम ममता खेड़े ने की है। हालांकि, लॉकडाउन को लेकर व्यापारी वर्ग को पहले से सचेत किया गया था। सूत्रों के अनुसार बाजार में अचानक भीड़ ना उमड़ पड़े, इसलिए फैसला लिया गया है।

सोनू सूद ने 10 ऑक्सीजन जनरेटर भेजे, भिलाई प्लांट से भी आई 90 टन ऑक्सीजन की खेप

प्रशासन ने 2 घंटे में 100 सिलेंडर जुटाए

■ **इंदौर**

शहर के लिए यह थोड़ी राहत की खबर है। शहर में अस्पतालों के लिए ऑक्सीजन जुटाने के लिए हर स्तर पर प्रयास शुरू हो गए हैं। अभिनेता सोनू सूद ने 10 ऑक्सीजन जनरेटर भेजे है। फैक्टरी और संस्था ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए आगे आ रहे हैं। बुधवार को 100 ऑक्सीजन के सिलेंडर सौंपे गए हैं। जिला प्रशासन ने एक मीटिंग कर तीन अलग-अलग विभागों से भी अपील कर ऑक्सीजन सिलेंडर देने की अपील की थी। बुधवार दोपहर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रेसीडेंसी कोठी पर एक बैठक में कलेक्टर द्वारा श्रम विभाग उद्योग विभाग और नगर निगम जड़ों की एक बैठक बुलाई गई जहां पर उद्योग विभाग से कलेक्टर ने अनुरोध किया है कि शहर की समस्या को देखते हुए हमें खाली स्टील प्लांट से मुहैया कराई जाए जिससे कि अस्पताल में हो रही ऑक्सीजन की किल्लत को दूर किया जा सके। वहीं कैलाश विजयवर्गीय द्वारा भिलाई स्टील प्लांट से 90 टन ऑक्सीजन इंदौर भेजने के लिए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री का भी धन्यवाद दिया है। कलेक्टर मनीष सिंह ने एसडीएम के नेतृत्व में अलग अलग विभागों की टीमें गठित की हैं। इनके निर्देश पर टीमें शहर के उन सभी स्थानों पर पहुंचेंगी, जहां सिलेंडर का इस्तेमाल अधिक से अधिक होता है। यहां से इन सिलेंडरों को शहरवासियों की मदद लिए लिया जाएगा और काम खत्म होने पर उन्हें वापस सौंप दिया जाएगा। इसमें बकायदा उन्हें पावती भी दी जाएगी। इससे ऑक्सीजन की समस्या खत्म हो जाएगी।

जमा किए सिलेंडर का विभिन्न अस्पतालों में होगा इस्तेमाल

कलेक्टर मनीष सिंह ने जैसे ही टीमों का गठन किया और उन्हें जिम्मेदारी सौंपी। इसके सिर्फ दो घंटे बाद ही 100 से ज्यादा सिलेंडर जमा हो गए। ये सिलेंडर शहर वासियों की मदद के लिए प्रशासन के सुपुर्द कर दिए गए हैं, ताकि अस्पताल में ऑक्सीजन की किल्लत को खत्म किया जाए सकें। इसका असर अब ये होगा कि जिन परिजन को अस्पताल प्रबंधन रात में ऑक्सीजन के लिए भटकने के लिए भेज देते थे उन्हें अब नहीं भेजेंगे, क्योंकि प्रशासन ने सटीक प्लानिंग तैयार की है। इसके तहत अब तक निगम के पास 700 से ज्यादा सिलेंडर जमा हो चुके हैं, जिसका इस्तेमाल इंदौर के विभिन्न अस्पतालों में किया जा सकेगा। फिलहाल कलेक्टर के निर्देश पर 13 टीमें बनाई गई हैं। इसमें उद्योग विभाग, श्रम विभाग और नगर निगम को शामिल किया गया है। वही दूसरी और निगम द्वारा शहर के विभिन्न कारखाना, फैक्टरी, संस्थान व अन्य ऐसे स्थान जहां ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध हैं, उन्हें कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार के दौरान उपयोग में लाए जाने हेतु सहयोग की अपील कर रहे हैं। आयुक्त पाल द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता हेतु समस्त जोनल अधिकारियों के साथ ही भवन अधिकारियों को अपने-अपने जोन क्षेत्रांतर्गत स्थित कारखाना, फैक्टरी, संस्थानों से ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में निगम जोनल अधिकारी व भवन अधिकारी ने शुभम फर्नीचर पालदा इंदौर प्राइवेट लिमिटेड से 4ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त किए। एशियन इंटरप्राइजेस से 1, निवार्णा स्टील सांवेर रोड बी सेक्टर से 4, जैन इंजीनियरिंग वर्क्स से 7, सांई मशीन टूल्स एमपीडी इंडस्ट्रीज से 8, नसिया रोड, पोलोग्राउण्ड क्षेत्र से 5 ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त किए गए। सांवेर रोड सेक्टर बी स्थित जोहरा स्टील से 3, 23 बी सेक्टर बी सांवेर रोड स्थित सत्य मित्र ग्रुप्स के अतुल खंडेवाल से 7, क्रिश्चियन कॉलेज के सामने स्थित विभिन्न दुकानों से लगभग 25 ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त किए। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों से भी 100 से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त किए।

रिलायंस जामनगर से रोजाना भेजेगी 100 टन ऑक्सीजन

भिलाई प्लांट के बाद अब जामनगर से भी 60 टन ऑक्सीजन इंदौर के लिए रवाना हो गई है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि रिलायंस ग्रुप के मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने इंदौर के लिए अलग से ऑक्सीजन देने का निर्णय लिया है। अभी जामनगर से 60 टन ऑक्सीजन रवाना की जा रही है।

नागपुर से रेमडेसिवर के 200 बक्से इंदौर पहुंचे, हेलीकाप्टर से आए इंजेक्शन

इंदौर। इंदौर में कोरोना मरीजों के लिए गुरुवार को एक राहतभरी खबर आई है अब उन्हें रेमडेसिविर इंजेक शन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। रेमडेसिविर इंजेक्शन के 200 बॉक्स लेकर नागपुर से एक हेलीकाप्टर इंदौर एयरपोर्ट पहुंचा। इस प्रकार 9 हजार 600 रेमडेसिविर इंजेक्शन की खेप पहुंचीं। इंदौर के लिए 57 बॉक्स छोड़कर यहां से इन्हें स्टेट प्लेन और हेलिकॉप्टर से प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में भेजा इन्हें भेजा रहा रहा है। इस दौरान एयरपोर्ट पर व्यवस्था के लिए एडीएम अजयदेव शर्मा प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद थे। बताया जा रहा है कि हर बॉक्स में करीब 48 इंजेक्शन हैं, इस हिसाब से 2700 से ज्यादा इंजेक्शन इंदौर के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा हर थाने में आरआरटी डॉक्टरों को तैनात

किया जाएगा। इनका काम क्षेत्र में स्क्रीनिंग, रेफर और होम आइसोलेशन किए गए मरीजों की डेली रिपोर्ट कंपाइल करके कंट्रोल रूम भेजना होगा। साथ ही, होम आइसोलेट मरीजों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

एक मरीज को 4 से 10 इंजेक्शन लग सकते हैं: कोरोना संक्रमित को केवल रेमडेसिविर इंजेक्शन देने से उसकी सेहत में कोई बदलाव नहीं होता, लेकिन संक्रमण की शुरूआत में लक्षण सामने आना की स्टेज में स्टेरॉयड दवा के साथ रेमडेसिविर इंजेक्शन देने पर मरीज को आराम मिलता है। लेकिन गंभीर और अति गंभीर श्रेणी के संक्रमित मरीज को स्टेरॉयड के साथ रेमडेसिविर देने से उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं होता।

गले और फेफड़ों में आती है सूजन: कोविड संक्रमित मरीज को शुरूआत में गले और फेफड़ों में सूजन आती है। फिर बुखार के साथ कोरोना के लक्षण उभरने लगते हैं। यह कोविड की मॉडरेट स्टेज है। इस स्टेज में मरीज को डॉक्टर्स स्टेरॉयड दवा देते हैं। यदि स्टेरॉयड के साथ रेमडेसिविर इंजेक्शन दिया जाता है तो मरीज की सेहत में तेजी से सुधार होता है। नतीजतन, सिर्फ स्टेरॉयड दवा लेने वाले मरीज की तुलना में ज्वाइंट डोज लेने वाला मरीज 2 से 4 दिन पहले स्वस्थ हो जाते हैं।

30-40 फीसदी संक्रमण पर लगना है इंजेक्शनः कुछ दिन पहले इंदौर के डॉक्टरों की बैठक हुई थी इसमें अधिकतर डॉक्टरों का कहना था- ' यह इंजेक्शन केवल उन्हीं मरीजों के लिए है, जिनके फेफड़ों में 30 से 40% से अधिक संक्रमण है। आम जनता में यह संशय है कि मरीज इससे ठीक होता है।

रेमडेसिविर के नकली इंजेक्शन बैचते हुए पकड़ाया डॉक्टर, क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई

इंदौर। पिछले सप्ताह तक कोरोना के चलते गंभीर संकमण से गुजर रहे रहे लोगों के लिए रेमडेसिविर मिलना मुश्किल हो रहा था और इसी का कुछ लोगों ने फायदा भी उठाया। गुरुवार को रेमडेसिविर की कालाबाजारी मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। नकली इंजेक्शन बेचने के मामले में गिरफ्त में आए डॉ. विनय त्रिपाठी नामक व्यक्ति के पास से 16 बॉक्स मिले हैं। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि वह इन इंजेक्शन को हिमाचल प्रदेश से लेकर आया है। यह अभी अंडर रिसर्च हैं। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है। डीआईजी मनीष कपूरिया ने बताया, आरोपी डॉ. विनय त्रिपाठी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि रेमडेसिविर इंजेक्शन का स्टॉक किसी व्यक्ति के पास है। वह इंदौर में सप्लाई करने वाला है। इस पर टीम ने पड़ताल के बाद त्रिपाठी को पकड़ा। उसके पास से 16 पैकेट मिले। एक पैकेट में 25 वायल थे। इस प्रकार से विनय के पास से पुलिस को कुल 400 वायल मिले हैं। जब इस संबंध में पूछताछ की गई, तो पता चला कि त्रिपाठी ये इंजेक्शन हिमाचल प्रदेश से लेकर आए हैं। जब उनसे संबंधित दस्तावेज मांगे गए, तो वे कागजात नहीं दे पाए। मामले में क्राइम के साथ ड्रग विभाग की टीम भी जांच कर रही है। पता चला है कि व्यक्ति फार्मा बिजनेस से जुड़ा है।

रतलाम में हेलिकॉप्टर से पहुंची रेमडेसिविर

रतलाम। जिले में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के बाद रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त व्यवस्था के लिए आज मध्यप्रदेश शासन ने हेलिकॉप्टर द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन के 7 बॉक्स रतलाम पहुंचाए हैं। कलेक्टर और मेडिकल कॉलेज के अधिकारी खुद इंजेक्शन के बॉक्स रिसीव करने बंजली हवाई पट्टी पहुंचे। हेलिकॉप्टर से रतलाम बंजली हवाई पट्टी रेमडेसिविर इंजेक्शन लेकर पहुंचे पायलटों ने रतलाम कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड को यह इंजेक्शन के बॉक्स सुपुर्द किए। कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन से उन्हें 7 बॉक्स में 336 रेमडेसिविर इंजेक्शन प्राप्त हो गए हैं। जिससे मेडिकल कॉलेज में भर्ती क्रिटिकल मरीजों के उपचार में मदद मिल सकेगी

शिवराज से कमलनाथ ने पूछा

प्रदेश में कोई एक अस्पताल ऐसा है जहां कोरोना मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं हों?

■ **इंदौर**

एमपी में कोरोना की बेकाबू रफ्तार और संक्रमितों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पाने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार को दोषी ठहराया है। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछा है कि प्रदेश में कोई एक ऐसा अस्पताल बताएं, जहां ऑक्सीजन, इंजेक्शन और इलाज का पूरा प्रबंध हो? कमलनाथ ने कहा कि यह दुख की बात है कि प्रदेश में गंभीर स्थिति है, लेकिन बचाव के लिए सरकार के पास विजन नहीं है। क्योंकि कोई प्लानिंग नहीं की गई। कोरोना से हो रही मौतों व शवों की संख्या के की सच्चाई और आंकड़े रोजाना मीडिया सामने ला रहा है, जबकि सरकारी आंकड़ों में मौतों की संख्या छुपाई जा रही है। वास्तविकता यह है कि मुक्तिधाम के बाहर शव पड़े हैं। लकड़ियां नहीं हैं। अंतिम संस्कार के लिए भी जगह नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब अपनी नाकामी छुपाने में लगी है। कोरोना को हराने के लिए सैंपल टेस्ट रिपोर्ट समय पर आना चाहिए, ताकि संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके, लेकिन सरकार ने इस पर फोकस नहीं किया। कोरोना की टेस्ट रिपोर्ट आने में 4

से 8 दिन लग रहे हैं। इसके अभाव में संक्रमण एक से कई लोगों तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को खुद अपनी रक्षा करना होगी। इस सरकार से उम्मीद मत रखना। इन्हें जनता की चिंता नहीं है। यह आपको सिर्फ गुमराह करना चाहती है।

डब्लूएचओ ने 3 महीने पहले दी थी चेतावनी: कमलनाथ ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने तीन माह पहले चेतावनी दी थी कि देश में कोरोना की दूसरी लहर आएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्व में कई देशों में इसको लेकर तैयारी हुई, लेकिन भाजपा की सरकार ने तैयार नहीं की। आज जब आग लग गई है, तो कुआं खोदने की बात कर रहे हैं।

कहां है ऑक्सीजन प्लांट : उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने सितंबर 2020 में 19 ऑक्सीजन के प्लांट लगाने की घोषणा की थी। अब कहा हैं प्लांट?

डॉक्टर क्लीनिक में झाड़ फूंक से टायफाइड का हो रहा इलाज

उज्जैन। जिले के बड़नगर में कोरोना काल में भी अंधविश्वास बना हुआ है। यहां एक डॉक्टर के क्लिनिक में झाड़ फूंक कर टायफाइड और बुखार का इलाज किया जा रहा था। इलाज कराने के लिए लोग भीड़ के रुप में इंतजार कर रहे थे। प्रशासन को यह जानकारी मिली तो एसडीएम ने पहुंचकर कार्रवाई की। इलाज करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। पास के ही बरगाड़ी गांव में भी झाड़ फूंक का इलाज करने वाले दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा लॉकडाउन में घूमने वाले युवकों से एसडीएम ने उठक-बैठक भी लगवाई। बड़नगर में वात्सल्य क्लिनिक पर टायफाइड और बुखार को लेकर मरीजों पर झाड़ फूंक की शिकायत बड़नगर एसडीएम योगेश बरसट को मिली। लॉकडाउन के बाद भी वात्सल्य क्लिनिक के पास बड़ी संख्या में अपनी बारी का इन्तजार करते मरीज मिले। जब एसडीएम ने क्लिनिक पर छापा मारा तो पता चला कि क्लिनिक डॉ अभिषेक कासलीवाल संचालित करते है। क्लिनिक के पीछे वाले कमरे में चर्चित जैन नामक युवक झाड़ फूंक कर टायफाइड से मुक्ति दिलाने का दावा कर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा था।

दमोह में थमा प्रचार, शहरी क्षेत्र में कांग्रेस ने झोंकी ताकत, बीजेपी ने ग्रामीण क्षेत्र में लगाया जोर

■ **दमोह**

विधानसभा-55 के उपचुनाव में गुरुवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन था जिसके चलते शाम 7 बजे से चुनाव प्रचार थम गया। इसके पहले प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य प्रत्याशियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा जहां ग्रामीण इलाकों में चुनावी सभा और जनसंपर्क कर रही है। वहीं कांग्रेस शहरी इलाके में मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट की अपील कर रही है। इसके साथ ही पार्टियों ने अपने कार्यकताओं को बूथ स्तर पर मतदान कराने की जिम्मेदारी सौंप दी है। ऐसे में प्रचार थमते ही शुक्रवार से कार्यकर्ता बूथ स्तर पर घर-घर पहुंचकर जनसंपर्क करेंगे। गुरुवार को कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन कोरोना पॉजिटिव होने के बाद प्रचार का जिम्मा उनकी बेटी ने संभाला है। बेटी रूपाली टंडन सुबह से ही शहरी क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर जनसंपर्क में जुटी हुई है। वहीं पार्टी के अन्य कार्यकर्ता अलग-अलग क्षेत्रों में वोट मांग रहे हैं। यहां बता दें शाम करीब 4 बजे से दमोह में ठहरे पार्टियों के पदाधिकारी व बाहरी नेताओं की वापसी शुरू हो जाएगी।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा ने ग्रामीण क्षेत्रों की ओर रूख किया है। भाजपा को जीत के लिए ग्रामीण मतदाताओं का भरोसा है। क्योंकि भाजपा को शहरी क्षेत्र में स्थितियां अपने पक्ष में नजर नहीं आ रही है। इसलिए गुरुवार को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर सभाओं को संबोधित किया।

कांग्रेस ने अपनाई एक बूथ पर दस यूथ की रणनीतिः कांग्रेस ने उपचुनाव जीतने के लिए लगातार अपनी रणनीति बदल रही है। 17 अप्रैल को दमोह में 359 मतदान केंद्रों पर होने वाले मतदान को लेकर कांग्रेस ने एक बूथ पर 10 यूथ की रणनीति अपनाई है।

गेट पर बाइक खड़ी कर घर में की चोरी

इंदौर। कोरोना के चलते भले ही लोग घरों में कैद है इसके बावजूद चोरों के हौंसले बुलंद है। चोरों दिनदहाड़े ही चोरी को अंजाम दे रहे हैं। मल्हारगंज थाने के शंकरगंज क्षेत्र में बाइक सवार दो चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर घर गेट के सामने ही बाइक खड़ी कर भीतर गए। नकदी सहित सोने के जेवर पर हाथ साफ कर नौ दो ग्यारह हो गए। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर चोरों को तलाश रही है। मल्हारगंज थाना क्षेत्र के शंकरगंज निवासी सुनीता यादव ने बताया कि घटना 9 अप्रैल दोपहर 2 बजे करीब की है, जब में घर नहीं थी और मेरी बेटी जो कि अपाहिज है घर में सो रही थी। बाइक सवार दो लोग आए और आलमारी से करीब 15 हजार कैश लेकर चला गया। इसके अलावा कान के टॉप्स और सोने के पेंडल भी ले गए। इसके बाद थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई।

आर्थिक परेशानी से जूझ रहे शादी आयोजन से जुड़े व्यापारी, चक्काजाम कर लगाए सरकार विरोधी नारे

■ **उज्जैन**

पूरे मालवा में इन दिनों शादियों का सीजन शवाब पर है लेकिन लॉकडाउन के चलते सब ठप्प हैत्र रही सही कसर गाइड लाइन के चलते 50 से ज्यादा लोग शादी में शामिल नहीं होने की शर्त ने पूरी कर दी। इस स्थिति में शादी आयोजन से जुड़े व्यापारियों के सामने आर्थिक दिक्कतें बढ़ गई है। बीते साल भी इसी तरह के हालात के चलते व्यवसाया पूरी तरह ठप्प थे। इस बार उम्मीद थी लेकिन फिर से कोरोना सारे कामधंधे चौपट कर गया। खासकर शादी आयोजन से जुड़े केटरिंग, टेंट, डीजे सहित अन्य व्यवसाय करने

वाले व्यापारियों की स्थिति खराब है। इसी के चलते वीआईपी रोड पर चक्काजाम कर दिया गया। बीजेपी और शिवराजसिंह मुदार्बाद के नारे लगाते हुए व्यापारियों ने शादी आयोजन में 50 की जगह 300 लोगों को अनुमति दिए जाने की मांग की। हालांकि चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मांग नहीं मानी गई तो 19 अप्रैल से उग्र आंदोलन किया जाएगा।

वैवाहिक आयोजनों से अपना घर चलाने वाले केटरिंग, टेंट, डीजे सहित बेंड वालों ने मिलकर वीआईपी रोड पर बुधवार शाम को चक्काजाम किया। व्यापारियों ने कहा कि पिछले साल भी हमारा काफी नुकसान हुआ। इस बार भी यही हालत रही तो भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। हमारी मांग नहीं मानी गई तो 19 अप्रैल के बाद आंदोलन किया जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि हमने लोन ले रखा है। अब इसकी किश्त भी नहीं चुका पा रहे है।

दोस्ती में धोखा — सूबेदार अपने शहीद दोस्त की पत्नी को कर रहा था ब्लैकमेल

सेना के सूबेदार पर दर्ज हुआ दुष्कर्म का मामला

■ **ग्वालियर**

शहर में शहीद की पत्नी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म पति के ही दोस्त रहे सूबेदार ने किया है। घटना के बाद आरोपी सूबेदार महिला को बदनाम और मासूम बेटी की हत्या करने की धमकी देकर शारीरिक शोषण करता रहा। परेशान होकर शहीद की पत्नी ने मुरार थाना में शिकायत की है। पुलिस ने तत्काल आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर सेना को इस मामले में सूचना दी है। मुरार थाना क्षेत्र के गरम सड़क निवासी 32 वर्षीय महिला का पति सेना में जवान था और वर्ष 2013 में शहीद हो गया था। तभी से वह अपनी बेटी के साथ यहां रह

रही है। पति की मौत के बाद महिला की मदद के लिए पति का दोस्त पास ही रहने वाला सूबेदार मनोज कुमार घर आता जाता रहता था। सितम्बर 2020 में मनोज कुमार ने उन्हें दूसरा मकान दिलाने की बातचीत की । इसी सिलसिले में वह महिला के घर उस समय पहुंचा जब वह अकेली थी। जहां पर उसने जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। वारदात के बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर शिकायत की या किसी को बताया तो वह उसे व उसकी बेटी को जान से खत्म कर देंगा।

धमकी देकर करने लगा ब्लैकमेल: पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि एक बार दुष्कर्म करने के बाद आरोपी उसे लगातार बदनाम करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। कभी उसे अपने घर बुलाता तो उसके घर पहुंचकर दुष्कर्म करता। अब जब शोषण से तंग आ गई तो वह थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने इस मामले में सेना में आरोपी के विभाग से संबंधित अफसरों को जानकारी दे दी है। साथ ही उसे थाने पेश होने के लिए कहा है।

आईटीआई छात्रा से नशे में दुष्कर्म

शहर में एक अन्य मामले में नशा कराकर छात्रा से भी दुष्कर्म की घटना हुई है। मुरार थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी 17 वर्षीय रानी (बदला हुआ नाम) क्ळककी छात्रा है। दो दिन पहले वह कॉलेज पढ़ने गई थी और दोपहर में उसकी सहेली का कॉल परिजन के पास आया। सहेली ने बताया कि उसकी तबीयत बिगड़ गई है। इसका पता चलते ही परिजन कॉलेज पहुंचे और छात्रा को लेकर अस्पताल आए। छात्रा नशे की हालत में थी। होश आने पर उसने बताया कि गौरव नामक युवक ने नशा करा कर उसके साथ गलत काम किया है। छात्रा की हालत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए भर्ती करा दिया है। वहीं गोला का मंदिर थाना पुलिस को सूचना दी। गोला का मंदिर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संक्षेप में...

श्रीलंका में 11 आतंकी संगठनों पर लगा प्रतिबंध

कोलंबो। आतंकी गतिविधियों से जूझ रहे श्रीलंका ने बड़ा कदम उठाया है। श्रीलंका सरकार ने ग्यारह कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों पर प्रतिबंध की घोषणा की है। इन संगठनों में अलकायदा और इस्लामिक स्टेट (आइएस) जैसे कुख्यात आतंकी ग्रुप भी शामिल हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ टेररिज्म प्रोविजन एक्ट के तहत की गई है। इस संबंध में राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने विशेष शासकीय अधिसूचना जारी की है। इसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होने पर दस से बीस साल तक की कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। प्रतिबंधित किए जाने वाले संगठनों में स्थानीय श्रीलंका इस्लामिक स्टूडेंट मूवमेंट सहित कई मुस्लिम संगठन हैं। प्रतिबंध के लिए 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन ने एक पैनल घोषित किया था। उक्त पैनल की रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है।

बिल्डिंग से गिरकर सीआरपीएफ अधिकारी की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में गुरुवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जूनियर अधिकारी की एक इमारत से नीचे गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि शोपियां जिले के रेसिपोरा गांव में दो मंजिला इमारत से 178 सीआरपीएफ बटालियन के सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) श्याम सिंह नीचे गिर गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें श्रीनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मेडिको-कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

चीन के विदेश व्यापार में 29.2 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। चीन सरकार ने 13 अप्रैल को इस साल की पहली तिमाही के विदेश व्यापार के आयात-निर्यात के आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, चीन में आयात-निर्यात की कुल राशि में 29.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिसमें निर्यात वृद्धि दर 38.7 प्रतिशत और आयात वृद्धि दर 19.3 प्रतिशत रही। हाल में चीन के विदेश व्यापार में स्थिर विकास का कारण क्या है? निर्यात के दृष्टिकोण से देखा जाए, कोविड-19 के टीकाकरण के निरंतर विस्तृत होने से विश्व आर्थिक पुनरुत्थान में विकास की अच्छी प्रवृत्ति नजर आई है। विश्व व्यापार संगठन ने हाल में विश्व कार्गो मात्रा की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक उन्नत की। आयात के दृष्टिकोण से देखा जाए, चीन के औद्योगिक उत्पादन, निवेश और उपभोग की निरंतर बहाली हो रही है, जिससे आयात पुनरुत्थान को प्रेरित किया। चीन सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, चीन में विनिर्माण उद्योग की धीरे-धीरे बहाली हो रही है।

पाकिस्तान ने इस्लामी पार्टी पर प्रतिबंध लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद निरोधक कानून के तहत तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने घोषणा की कि फाइल को मंजूरी के लिए फेडरल कैबिनेट में ले जाया जाएगा, जिससे यह फैसला पंजाब सरकार के अनुरोध पर लिया गया। उन्होंने कहा, वे अच्छी तरह से तैयार थे। टीएलपी नेता सरकार के साथ सभी वार्ताओं में आते थे, लेकिन सड़क बंद होने के बारे में अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी करने के बाद वे नहीं आए। टीएलपी प्रमुख साद को लाहौर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद धार्मिक पार्टी के समर्थक सोमवार दोपहर सड़कों पर उतर गए।

केरल के मंत्री को दूसरी बार हुआ कोरोना,

त्रिवेंद्रम। केरल के कृषि मंत्री वीएस सुनील कुमार दूसरी बार कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें त्रिशूर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उनके बेटे निरंजन कृष्ण के भी कोरोना से संक्रमित होने की खबर आ रही है। वीएस सुनील कुमार और उनके बेटे निरंजन कृष्ण त्रिशूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तब तक रहेंगे जब तक कि उनकी रिपोर्ट निगेटिव नहीं आ जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि जो लोग मंत्री के संपर्क में थे, उन्हें खुद की जांच करानी चाहिए और आइसोलेट हो जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री को कोई स्वास्थ्य जटिलता नहीं है। आपको बता दें कि पिछले साल सितंबर महीने में भी सुनील कुमार कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। उन्हें तब तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था।

संक्रमित देशों में अमेरिका टॉप पर, भारत दूसरे नंबर पर आया

कोरोनाः दुनिया में 13.80 करोड़ के पार पहुंचा मरीजों का आंकड़ा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

कोरोना वायरस की रफ्तार थमती नहीं दिख रही है। धीरे-धीरे संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अबतक संक्रमित मामलों की संख्या 13 करोड़ 80 लाख 21 हजार से ज्यादा हो गई है। वहीं मौत का आंकड़ा 2 करोड़ 97 लाख 130 तक पहुंच गया है। हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने अपने ताजा आंकड़ों में इसकी जानकारी दी है। विज्ञान और इंजीनियरिंग के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर संक्रमितों का आंकड़ा 138,021,474 है जबकि मरनेवालों की संख्या 2,971,130 पहुंच गई है। दुनिया में इस वक्त सबसे ज्यादा संक्रमितों देशों में अमेरिका टॉप पर बना हुआ है। दुनिया में इस वक्त सबसे ज्यादा संक्रमितों देशों में अमेरिका टॉप पर बना हुआ है। यहां पर संक्रमितों का आंकड़ा 31,420,888 है वहीं मरनेवालों की संख्या 564,396,पहुंच गई है। अमेरिका के बाद दूसरा संक्रमित देश पहले ब्राजील था, लेकिन अब संक्रमित आंकड़ों के हिसाब से दुनिया में भारत दूसरे नंबर पर आ गया है। यहां पर संक्रमितों की संख्या 13,873,825 पहुंच गई है। वहीं मौत के आंकड़ो के हिसाब से ब्राजील दूसरे नंबर पर है। यहां पर मौत का आंकड़ा 361,884 है वहीं संक्रमितों की संख्या 13,673,507 तक है।

बता दें कि एक दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयियस ने दुनिया को कोरोना वायरस के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी भी दी थी। उनका मानना है कि ये जानलेवा वायरस अभी लम्बे समय तक दुनिया में रहने वाला है। साथ ही उन्होंने बताया था कि एशिया और मध्य पूर्व के कई देशों ने कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और वो भी तब जब वैक्सीन की 780 मिलियन से ज्यादा डोज विश्व स्तर पर लोगों को दी जा चुकी है। आगे उन्होंने कहा कि मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, परीक्षण कराने और आइसोलेट रहने के सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों पर फिर से जोर दिया है।

मौत के आंकड़ो के हिसाब से अमेरिका के बाद ब्राजील का नंबर

दुनिया में बीते दिन 8.04 लाख नए केस आए

वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना की नई लहर खतरनाक होती जा रही है। बीते दिन दुनिया में 8.04 लाख नए केस आए। यह पिछले 3 महीनों में एक दिन में मिलने वाले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 8 जनवरी को 8.45 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई थी। वहीं, बुधवार को दुनिया में 13,532 लोगों की मौत हुई। इसमें सबसे ज्यादा मौतें ब्राजील में रिकॉर्ड की गई। यहां बीते दिन 3,462 लोगों की मौत हुई। यहां मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। महामारी की वजह से ब्राजील में अब तक 3.62 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन 97 दिन बाद फिर से गुलजार होने लगा है। दुनिया का सबसे लंबा और सख्त लॉकडाउन 12 अप्रैल से अनलॉक होना शुरू हो गया है। बेकाबू होते कोरोना के कारण यहां 5 जनवरी से लॉकडाउन शुरू हुआ था।

कोरोना से बेहाल पोलैंड ने बढ़ाया लॉकडाउन

वारसॉ। दुनियाभर में कोरोना महामारी का भयंकर रुप देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर देखते हुए पोलैंड सरकार ने लॉकडाउन को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह दूसरी बार बढ़ाया गया है, 27 मार्च को यहां लॉकडाउन लगाया गया था। वर्तमान लॉकडाउन 18 अप्रैल को समाप्त होगा। जिन दुकानों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उसका मतलब यह है कि प्रति 20 वर्ग मीटर में एक ग्राहक को जो अनुमति दी गई है, वो अब 25 अप्रैल तक रहेगा। पूजा स्थलों पर भी यही प्रोटोकॉल लागू किया गया है, जबकि 2,000 वर्ग मीटर से बड़े फर्नीचर स्टोर और हार्डवेयर स्टोर बंद रहेंगे। होटल और अन्य प्रतिष्ठान को तीन मई तक प्रतिबंधों का सामना करना होगा। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्री एडम नीडेजेल्स्की ने कहा कि नर्सरी और प्री-स्कूलों को 19 अप्रैल से फिर से खोला जाएगा, जबकि बाहर खेलने पर प्रतिबंध भी हटा दिया जाएगा।

म्यांमार में सेना ने 51 बच्चों को मार डाला

▸ तख्तापलट के बाद सेना ने करीब एक हजार बच्चों को अवैध हिरासत में लिया

नेपीडॉ (म्यांमार) ■ एजेंसी

म्यांमार में जब से सैन्य तख्तापलट हुआ है, वहां सेना खून की होली खेल रही है। संयुक्त राष्ट्र ने म्यांमार के सुरक्षा बलों से बच्चों के खिलाफ हिंसा से बचने की अपील करते हुए कहा है कि फरवरी में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से कम से कम 51 बच्चे मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पिछले 13 अप्रैल तक, म्यांमार के सुरक्षा बलों द्वारा कम से कम 51 बच्चों को मार दिया गया है और लगभग 1000 बच्चों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की देश की टीम सुरक्षा बलों से हिंसा से बचने और बच्चों और युवाओं को नुकसान के रास्ते से बाहर रखने की भी अपील करती है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, म्यांमार की सेना ने एक फरवरी को नागरिक सरकार को उखाड़ फेंका और एक साल की लंबी अवधि के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी तथा उसके बाद से अब तक कम से कम 707 लोग मारे गए। इससे पहले 10-11 अप्रैल को एक दिन में म्यांमार की सेना ने 82 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। सुरक्षा बलों ने सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर फिर कड़ी कारवाई की।

सैन्य कार्रवाई में मारे गए 616 लोग

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शन में हताहत हुए लोगों का रिकॉर्ड रखने वाले संगठन असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्रवाई में गुरुवार तक कम से कम 616 लोग मारे गए हैं। ब्रिगेडियर जनरल जॉ मिन तुन ने प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यदि ऐसा हुआ होता, तो कुछ ही घंटों में 500 लोग मारे गए होते। उन्होंने असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स द्वारा बताई गई मृतक संख्या को गलत बताया और कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 250 है और 16 पुलिसकर्मी भी मारे गए हैं।

चीन की चेतावनी- हांगकांग मामले में विदेशी ताकत न करें हस्तक्षेप

हांगकांग ■ एजेंसी

हांगकांग को लेकर पश्चिमी देशों व चीन के बीच जारी तनाव के बीच बीजिंग के शीर्ष प्रतिनिधि ने गुरुवार को चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि चेताया कि यदि वैश्विक आर्थिक केंद्र का इस्तेमाल कठपुतली के तौर पर करने की कोशिश की तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के लिए 'शिक्षण दिवस' के मौके पर चीन के हांगकांग लिए, जॉन आफिस के डायरेक्टर लुओ हुइनिंग ने यह बयान दिया। हांगकांग में अपने कानून लाकर लोकतंत्र की हत्या करने वाले चीन को यह धमकी अमेरिका और पश्चिमी देशों को दी गई है। चीनी अधिकारी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि विदेशी ताकतें निचले स्तर पर हस्तक्षेप न करें, इसके गंभीर परिणाम होंगे। चीन राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और चुनाव सुधार संबंधी कानून लाकर हांगकांग की स्वतंत्रता पर कब्जा कर रहा है। इसी को लेकर अमेरिका-ब्रिटेन और इनके सहयोगी देशों ने चीन की कड़ी निंदा की है। हांगकांग में चीन के संपर्क कार्यालय के अधिकारी लियो हुईनिंग ने कहा है कि जिन लोगों का विदेशी ताकतों से संपर्क है, उन पर जब भी कठोर कार्रवाई का मौका मिलता है तो कोई रियायत न दी जाए। उन्होंने कहा कि हम हस्तक्षेप के विरोध में ऐसे लोगों को सबक सिखाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि हांगकांग के प्रत्येक शहर में लोकतंत्र समर्थकों पर अब कार्रवाई हो रही हैं। चीन के खिलाफ आंदोलन में भाग लेने वालों पर मुकदमे किए जा रहे हैं। तरह-तरह के उत्पीड़न शुरू हो गए हैं।

हांगकांग के संसदीय चुनाव दिसंबर में आयोजित किए जाएंगे। कोरोना वायरस संक्रमण से होने वाले खतरे के कारण चुनाव को टाल दिया गया था। बता दें कि चीन ने मार्च में हांगकांग की चुनावी प्रक्रिया में बदलाव करने की घोषणा की थी जिसमें संसद में सीटें बढ़ाने और निर्वाचित सीटों की संख्या 35 से घटाकर 20 करने की योजना है।

इंडोनेशिया में तूफान से 181 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया में आए चक्रवाती तूफान की चपेट में आने वाले लोगों की मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में चक्रवात तूफान सेरोजा से आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 181 हो गई है, 47 अभी भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार दोपहर को देश की डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी द्वारा आयोजित एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रांत के डिप्टी गवर्नर जोसेफ नाए सोई ने बताया कि इस महीने के शुरू में चक्रवात से आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 250 लोग घायल हुए हैं। उनके अनुसार, रेस्क्यू किये गये लोगों की संख्या लगभग 50,000 है, लेकिन उनमें से कई अपने घर या परिवार के पास वापस जाने लगे हैं। प्रांत में बाढ़ और भूस्खलन ने प्रभावित क्षेत्रों में कई घरों, सार्वजनिक सुविधाओं, सड़कों और पुलों को भी नष्ट कर दिया है।

फ्रांस में कट्टरपंथ इस्लाम पर रोक लगाने के लिए बिल पास

▸ पाकिस्तान को तुरंत छोड़ दें सभी फ्रांसीसी नागरिक व कंपनियां, फ्रांस की सरकार का आदेश

फ्रांस ■ एजेंसी

दुनियाभर में रमजान के पवित्र महीने की शुरूआत हो चुकी है। रामजान की शुरूआत में ही फ्रांस के एक कदम ने दुनियाभर के मुसलमानों के बीच गुस्सा बढ़ा दिया है। दरअसर फ्रांस की सीनेट ने कट्टरपंथ इस्लाम पर लगाम कसने के लिए एक बिल पास किया है। इस बिल को लेकर अब मुसलमानों के बीच नाराजगी बढ़ गई है। उनका कहना है कि ये बिल मुसलमानों को अलग थलग करने का जरिया बनेगा। इस बिल को कई तरह के संशोधन के साथ पास किया गया है। इस बिल में कई सख्त नियम बनाए गए हैं और इसे नेशनल असेंबली से मंजूरी भी मिल चुकी है। सीनेट में इस बिल के पक्ष में 208 वोट डाले गए, जबकि खिलाफ में 109 वोट पड़े। इस बिल को पास करने से पहले सीनेट में इसे लेकर काफी हंगामा भी हुआ। काफी लंबे दौर की बातचीत के बाद इस बिल को पास कर दिया गया। बिल में शामिल किए गए नए संशोधनों का मकसद 'अतिवाद' से मुकाबला करना है। इस बिल में वो सभी प्रावधान किए गए हैं, जिसमें स्कूल ट्रिप के दौरान बच्चों के माता-पिता के धार्मिक पोशाक पहनने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही नाबालिग बच्चियों के चेहरे छिपाने या 'सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकों' को धारण करने पर रोक लगाने की बात कही गई है।

पाकिस्तान को अस्थायी तौर पर छोड़ दें फ्रांसीसी नागरिक

अधिसूचना के अनुसार, कानून का पालन न करने वाले या ऐसी किसी साजिश में शामिल होने वाले किसी भी दोषी व्यक्ति को 10 से 20 साल कैद की सजा हो सकती है। प्रतिबंधित संगठनों में श्रीलंका इस्लामी छात्र आंदोलन समेत कुछ स्थानीय मुस्लिम समूह शामिल हैं। बता दें कि वर्ष 2019 में ईस्टर पर हुए आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंका सरकार ने स्थानीय जिहादी समूह नेशनल तौहीद जमात तथा दो अन्य संगठनों को प्रतिबंधित कर दिया था। राष्ट्रपति की तरफ से गठित पैनल ने उन मुस्लिम विद्रोही संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी

लाहौर में भड़की हिंसा में फंसे 800 भारतीय सिख रावलपिंडी पहुंचे

लाहौर। पाकिस्तान में 800 से अधिक भारतीय सिख यात्री बुधवार को अंततः रावलपिंडी में अपने गंतव्य तक पहुंच गए। देश में एक कट्टर इस्लामी पार्टी के समर्थकों द्वारा सड़कें बंद किये जाने के कारण बैसाखी मनाने गुरुद्वारा पंजा साहिब जाने के दौरान उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। भारतीय तीर्थयात्री बैसाखी पर्व में शामिल होने के लिये सोमवार को वाघा बॉर्डर के जरिये लाहौर पहुंचे थे। फ्रांस में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून प्रकाशित करने के मामले में फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने की मांग कर रहे तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों द्वारा सड़कें बंद किये जाने से उनकी यात्रा प्रभावित हुई। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि 800 से अधिक भारतीय सिखों ने हसनअबदाल में गुरुद्वारा पंजा साहिब में वैशाखी मनाई। मंगलवार दोपहर भारतीय सिख पुलिस और रेंजर्स के साथ 25 बसों में सवार होकर लाहौर के गुरुद्वारा पंजा साहिब के लिये रवाना हुए। अधिकारी ने कहा, प्रदर्शन के दौरान सड़कें बंद होने के कारण सिख यात्री 14 घंटे के सफर के बाद बुधवार सुबह चार बजे के बाद हसनअबदाल पहुंचे।

संघ के प्रांत प्रचारक प्रमुख की गाड़ी के तोड़े शीशे

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब के फिरोजपुर के गांव निहाला लवेरा में पांच अज्ञात लोगों आरएसएस के प्रांत प्रचारक प्रमुख राम गोपाल के गाड़ी पर डंडों से हमला कर शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने जांच के आधार पर पांचों अज्ञात लोगों पर मामला तो दर्ज कर लिया है लेकिन पांचों आरोपियों की अभी तक न तो शिनाख्त हो पाई है और न ही पुलिस उन तक पहुंचने में कामयाब हुई है। बताया जा रहा है कि पांच लोग किसी किसान संगठन से संबंध रखते हैं। पुलिस किसान संगठन का पता करने में जुटी हुई है। आरएसएस के प्रांत प्रचारक बीएमडब्ल्यू कार से गांव निहाला लवेरा में दर्शन सिंह के घर जा रहे थे। उनका करीब 200 किसानों ने रास्ता रोक लिया। पुलिस ने इस दौरान बल प्रयोग से उन्हें वहां से बाहर निकाला। बात वहीं खत्म नहीं हुई जब उनकी कार सहित एक अन्य कार देर रात जब गांव से वापस आ रही थी तो वहां के पास पहुंची तो एक स्विफ्ट कार में सवार कुछ लोगों ने दोनों कारों को रोक दिया और डंडे से कारों के शीशे तोड़ डाले। आरएसएस के प्रमुख ने बड़ी मुश्किल से उनसे पीछा छुड़वाया। पंजाब में भाजपा और आरएसएस के नेता किसान संगठनों के निशाने पर हैं। किसान संगठनों को किसी भी कार्यक्रम की भनक लगती है तो वे वहां भारी संख्या

रूस की उड़ान रोकने से तुर्की को होगा भारी नुकसान

अंकारा। तुर्की के पर्यटन मंत्री मेहमत नूरी एर्सोई ने कहा कि रूस द्वारा उड़ान प्रतिबंध करने के फैसले को लेकर देश को जून तक लगभग 5,00,000 पर्यटकों का नुकसान हो सकता है। पर्यटकों की संख्या में लगभग 5,00,000 की कमी आ सकती है। अभी तक समर बुकिंग के साथ कोई समस्या नहीं आई है और कोविड-19 मामले की संख्या में कमी के आधार पर प्रतिबंध को बढ़ाया जा सकता है। रूस ने तुर्की के साथ नियमित और चार्टर उड़ानों की संख्या 15 अप्रैल से 1 जून तक कम करने का फैसला किया। तुर्की के विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में महामारी से संबंधित उपायों का निरीक्षण करने के लिए अंकारा जाएगा।

वापसी

डेढ़ लाख करोड़ खर्च और 20 साल बाद अफगानिस्तान से निकलेगा अमेरिका

2400 सैनिकों की कुर्बानी के बाद वतन लौटेगी सेना

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी सैनिक 20 साल बाद एक बेहद लंबे और महंगे युद्ध के बाद अफगानिस्तान से वापस अपने वतन लौटेंगे। 9/11 हमले की 20वीं बरसी यानी 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिक यहां से निकल जाएंगे। पहले यह समयसीमा 1 मई थी लेकिन ढाई हजार से ज्यादा सैनिकों की वापसी को देखते हुए समय बढ़ा दिया गया। अलकायदा के 9/11 हमले के बाद साल 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान में सेना उतारी थी। इस युद्ध में अमेरिका ने 2400 सैनिकों को खोया है। साथ ही इस युद्ध पर अमेरिका ने 2 ट्रिलियन डॉलर यानी 150 लाख करोड़ रुपए के करीब खर्च किए हैं। मई 2011 में अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को मार गिराया लेकिन न तो

तालिबान को खत्म कर पाया और न ही अफगानिस्तान में शांति स्थापित कर पाया है। बाइडेन प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि लंबी बहस और कई रिपब्लिकन के विरोध के बावजूद राष्ट्रपति बाइडेन ने यह निर्णय लिया है। राष्ट्रपति का कहना है कि अगर स्थितियों को आधार बना कर देखेंगे तो अमेरिकी सैनिक कभी वहां से वापस ही नहीं लौट पाएंगे। हालांकि इस निर्णय के बाद यह बहस शुरू हो गई है अमेरिका के वापसी के बाद इस इलाके में फिर से युद्ध की स्थितियां न बन जाएं।

अफगानिस्तान की टर्की, कतर जैसे देशों के साथ कॉन्फ्रेंस होनी है। टर्की नाटो का भी हिस्सा है और अभी के समय बहुत पावरफुल है। टर्की के कदम बताएंगे कि अफगान में कैसी स्थिति बनेगी। वैसे सिविल वार जैसी संभावना बहुत कम है।

एशिया की शांति पर क्या असर?: एशिया की शांति पर खासा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि अब तालिबान पहले की तरह मजबूत नहीं है। ये तो तय है कि पाकिस्तान पूरी तरह से तालिबान को मदद करेगा। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि वापसी के बाद अमेरिका का रोल किस तरह का रहेगा। तालिबान ने हरकत की तो अमेरिका एयर अटैक जैसे कदम उठाएगा।

भारत पर इसका क्या असर होगा?

हमें न नुकसान है और न फायदा। भारत तो अफगानिस्तान की हर तरह से मदद कर रहा है। हम अफगानिस्तान की सेना को ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। भारत आगे मदद के लिए अपने सैनिक भी भेज सकता है। भारत के नजरिए से शांति रहे तो बेहतर है, क्योंकि पाक और तालिबान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। टर्की अगर अफगानिस्तान की मदद करता है तो पूरे इलाके में शांति बनी रहेगी। अफगानिस्तान में अभी अफगानी तालिबान और पाकिस्तानी तालिबान सक्रिय हैं। इसके साथ ही सीरिया का आईएसआईएस, हकानी ग्रुप भी पाकिस्तान संरक्षित तालिबान जैसे आतंकी संगठन को मदद करता है। लेकिन आतंकी संगठन तालिबान अब कमजोर हो गया है। भले ही अफगान की 60 फीसदी जमीन पर तालिबान का प्रभाव हो लेकिन अफगानिस्तान की फौज लड़ भी रही है और मरने के लिए तैयार भी है। ऐसे में हम

संपादकीय

क्लासरूम वाली पढ़ाई

करीब दस महीनों से बंद पड़े स्कूल अब खुलने लगे हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान से लेकर कर्नाटक और केरल तक कई राज्यों की सरकारें कुछ नियमों और शर्तों के साथ स्कूल खोलने की इजाजत दे रही हैं। इतनी लंबी अवधि तक स्कूलों का बंद रहना सबके लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। कहने को इस दौरान ऑनलाइन क्लासेज चलती रही हैं, लेकिन आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर अलग-अलग स्थिति वाले बच्चों के व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखें तो स्कूल जाकर क्लासरूम में पढ़ाई करने की कोई तुलना ऑनलाइन पढ़ाई से नहीं हो सकती। इसके अलावा यह भी मानना पड़ेगा कि ऑनलाइन कक्षाओं का चलन बच्चों में और भी दुखद श्रेणी विभाजन का कारण बना है।

महानगरों में रहनेवाले साधनसंपन्न परिवारों के बच्चों का एक छोटा तबका ही कायदे से ऑनलाइन क्लासेज का फायदा उठा पाया है। अव्वल तो सारे स्कूलों में यह सुविधा ही मौजूद नहीं है, और जहां है वहां भी लैपटॉप और मोबाइल तक सीमित पहुंच तथा बिजली और नेटवर्क जैसी बाधाओं के चलते ज्यादातर बच्चे क्लास की सारी बातें नहीं समझ पाए। एक ही क्लास में जानकारी के अलग-अलग स्तर वाले बच्चों को लेकर आगे बढ़ना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। मगर बात इतनी ही नहीं है। दस महीने की इस बंदी ने शिक्षा का ढांचा ढह जाने का खतरा पैदा कर दिया है।

स्कूलों के वित्तपोषण से जुड़ी एक कंपनी आईएसएफसी द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक देश के 17.06 फीसदी स्कूल ऐसे रहे जहां इस साल फीस के नाम पर कुछ भी जमा नहीं हो पाया। 59.74 फीसदी स्कूलों में फीस कलेक्शन 40 प्रतिशत से भी कम रहा। स्वाभाविक रूप से इसका असर स्टाफ की सैलरी पर पड़ा। सर्वे के मुताबिक 26.49 फीसदी स्कूलों ने कर्मचारियों की छंटनी करने और 36.43 फीसदी ने वेतन में कटौती करने की बात स्वीकार की। जाहिर है, यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। राज्य सरकारों द्वारा स्कूल खोलने की इजाजत देने का एक रिश्ता इस संकट से भी है।

रहा सवाल महामारी का तो रोजाना नए संक्रमणों की संख्या भारत में भले कम हो गई हो, लेकिन वायरस का खतरा कम नहीं हुआ है। खासकर ब्रिटेन से फैल रहे कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने स्कूलों के लिए मुश्किल और बढ़ा दी है। वहां हालात लगभग काबू में आ गए थे, मगर युवाओं और बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक इस नए स्ट्रेन का उत्पात देखकर पूरे देश में फिर से सख्त लॉकडाउन लागू करना पड़ा। वैक्सीनें अगर पूरी तरह प्रभावी साबित होती हैं तो भी व्यापक आबादी तक उनके पहुंचने में वक्त लगेगा। ऐसे में बचाव का सबसे कारगर तरीका आज भी अधिकतम सावधानी बरतने का ही है। सरकारों ने स्कूलों पर ऐसी कई पाबंदियां लगाई हैं, पर उनका पालन सुनिश्चित करने का काम अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के ही जिम्मे है।

सुपर पावर बनने की दौड़ में कहां खड़ा है भारत

विक्रम उपाध्याय

> चीन ने पिछले चार दशक में काफी तरक्की की है। जीडीपी के मामले में दुनिया का दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन बन चुका है और वह अमेरिका को पीछे छोड़ने की होड़ में पूरी तरह शामिल हो चुका है। चीन ने कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में पूरी दुनिया में आगे निकल चुका है। वह इस समय दुनिया का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। पर कोविड के कारण उसकी चुनौतियां बहुत बढ़ गई हैं। रूस को छोड़ दुनिया के सभी बड़े देशों का चीन के प्रति रुख नकारात्मक गया है।

कोविड के बाद की अर्थव्यवस्था कैसी होगी? कौन सुपर पावर बनेगा, किसकी अर्थव्यवस्था तबाह होगी? यह बहस विभिन्न मंचों पर चल रही है। चीनी अर्थशास्त्री विशेषकर इस बहस को हवा दे रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि इस दशक के अंत तक चीन दुनिया का सबसे बड़ा अर्थतंत्र होगा। ब्रिटेन स्थित सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च का दावा है कि कोविड पर जल्दी काबू पाने के कारण चीन 2028 तक अमरीका और यूरोप से बहुत आगे निकल जाएगा। इसी संस्था ने यह भी भविष्यवाणी की है कि चीन और अमेरिका के बाद भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यानी सुपर पावर बनने की दौड़ में भारत भी पीछे नहीं है।

दुनिया की 10 बड़ी अर्थव्यवस्था पर नजर डालें तो पाएंगे कि अभी भी अमेरिका 21.43 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ बाकी सभी देशों के मुकाबले काफी आगे है। चीन अभी भी अमेरिकी जीडीपी के मुकाबले लगभग आधे 14.34 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दूसरे नंबर पर है। इसी आंकड़े का आकलन यदि प्रति व्यक्ति जीडीपी के साथ करें तो पाएंगे कि अमेरिका चीन से मीलों आगे है। अमेरिका का प्रतिव्यक्ति जीडीपी 65,298 डॉलर है तो चीन का प्रति व्यक्ति जीडीपी 10,262 डॉलर है। जापान और जर्मनी भी प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में चीन से बहुत आगे हैं। जापान का प्रतिव्यक्ति जीडीपी 40,247 डॉलर है तो जर्मनी का 46,445। इन्हीं आंकड़ों को भारत के संदर्भ में देखें तो तस्वीर ज्यादा चमकदार नहीं लगती। भारत का जीडीपी 2.87 खरब डॉलर का है और प्रति व्यक्ति जीडीपी केवल 2,100 डॉलर है। यानी सुपर पावर बनने की दिशा में भारत को अभी भी लंबा सफर तय करना है।

अमरीकी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत उसकी टेक्नोलॉजी और सर्विस सेक्टर है। फाइनेंस, रियल एस्टेट, इंश्योरेंस, प्रोफेशनल एवं बिजनेस सर्विसेज उसकी जान है। अमेरिका एक खुली अर्थव्यवस्था है, जहां पूरी दुनिया से निवेश आता है। दुनिया की प्राइम करेंसी डॉलर होने के कारण अमेरिका अपने कर्जे को ठीक से ढंग से संभाल पाता है। आर्थिक पावर के साथ-साथ दुनिया का सबसे बड़ा मिलिट्री पावर होने के कारण भी अमेरिका सुपर पावर के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखने में कामयाब रहा है। लेकिन धीरे-धीरे अमेरिका अब कई चुनौतियों से घिर भी गया है। सामाजिक रोष अमेरिका में बहुत बढ़ गया है। रूस और चीन से उसे आर्थिक और सामरिक टक्कर मिल रही है।

चीन ने पिछले चार दशक में काफी तरक्की की है। जीडीपी के मामले में दुनिया का दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन बन चुका है और वह अमेरिका को पीछे छोड़ने की होड़ में पूरी तरह शामिल हो चुका है। चीन ने कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में पूरी दुनिया में आगे निकल चुका है। वह इस समय दुनिया का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। पर कोविड के कारण उसकी चुनौतियां बहुत बढ़ गई हैं। रूस को छोड़ दुनिया के सभी बड़े देशों का चीन के प्रति रुख नकारात्मक हो गया है। अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया और भारत के साथ लगभग उसकी दुश्मनी हो चुकी है। जाहिर है चीन का निर्यात बुरी तरह प्रभावित होने वाला है। कोरोना के मामले में पूरी दुनिया चीन को शक की नजर से देख रही है और यही उसके सुपर पावर बनने में बहुत बड़ी बाधा बनने वाला है। चीन की अर्थव्यवस्था इस समय बहुत दबाव में है। कई साल तक लगातार दो अंकों में वृद्धि दर हासिल करने वाला चीन अब पिछड़ रहा है। कोविड से पहले भी चीन की पिछले तीन साल में औसत वृद्धि दर 6 प्रतिशत की रही। हालांकि चीन यह दावा कर रहा है कि कोविड पर जल्दी काबू पाने के कारण वह दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था बन गया है जिसकी पॉजिटिव ग्रोथ रेट है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अभी भी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होगा। हाल ही में जारी वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 9 प्रतिशत का संकुचन आएगा, लेकिन उसके बाद अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी और अंततः 2021 में भारत 5. प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल कर लेगा।

भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी बेहद सक्रिय और कुछ हद तक उतावले भी हैं। 2025 तक भारत को पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का उनका पहला लक्ष्य सामने है। उसको हासिल करने के लिए मोदी सरकार ने एक के बाद एक कई सुधार कानूनों को लागू किया है। जिनमें इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 29 असमान और कभी-कभी विरोधाभासी श्रम कानूनों की जगह चार अधिक सुसंगत कानून, 1955 के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कृषि उपज, अनुबंध कृषि और परिवहन, भंडारण, कीमतों और वितरण पर नियंत्रण के कानून, रक्षा, नागरिक उड्डयन, रेलवे, कोयला, खनन और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को उदार बनाने के लिए सुधारों की घोषणा, जीएसटी और कॉर्पोरेट कर में कमी शामिल हैं।

सुपर पावर अमेरिका बना रहे या चीन उसका स्थान ले ले, पर इतना अवश्य है कि भारत की विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी एक अलग धाक और पहचान बनी रहेगी, क्योंकि भारत कई क्षेत्रों में अभी से बढ़त बनाए हुए है। 120 करोड़ ग्राहकों के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। चीन के बाद उपभोक्ता बाजार भारत से बड़ा कोई और नहीं है। खाद्यान्न के मामले में भारत पूरी तरह आत्मनिर्भर है। भारत दुनिया का एक मजबूत मिलिट्री पावर है। वायु सेना की सूची में चौथे, नौसेनाओं की सूची में 7 वें स्थान पर थल सेना रैंकिंग में भी भारत चौथे स्थान पर है। भारत अब दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातक देश से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और कई देशों को हथियार निर्यात भी कर रहा है। इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी हो या स्पेश साइंस अब भारत का नाम बड़े देशों में लिया जाता है।

भारत युवाओं का देश है और राजनीतिक रूप से पूरी तरह से स्थिर भी। भारत के पास अवसर भी है और संभावनाएं भी, चीन और अमेरिका की तरह आर्थिक महाशक्ति बनने का।

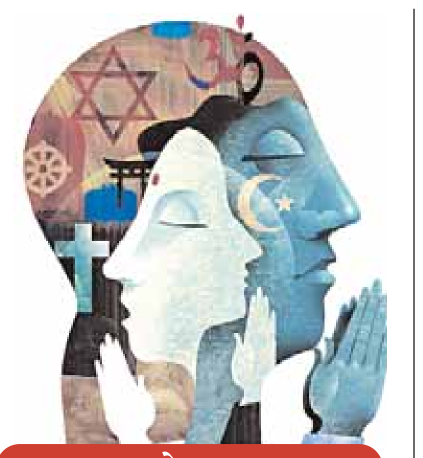

।। अनमोल वचन ।।

एक मिनट में कभी जिंदगी नहीं बदलती है लेकिन एक मिनट में सोच कर लिया गया फैसला आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है।

> माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत कोरोना महामारी को हराने के लिए तैयार है, 16 जनवरी से देशव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू हो रहा है। 30 करोड़ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, बुज़ुर्गों एवं गंभीर बीमार नागरिकों को प्राथमिकता दी गई है।
>
> राकेश सिंह, भाजपा नेता

विषाणुजनित बीमारियों के टीके लम्बी शोध के बाद इस्तेमाल के लायक बन पाते हैं, इनका मकसद ही व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखना होता है, इसलिए टीका बनाने वाले वैज्ञानिकों के मन में टीका बनाते समय कोई राजनीति नहीं होती, लेकिन टीका बनाने के लिए जो संसाधन लगते हैं वे राजसत्ता और राजनीति के बिना जुटाए भी नहीं जाते इसलिए शायद पहली बार ये टीके भी राजनीति के शिकार हो गए हैं। भारत में वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत पहले से 12 तरह के टीके बच्चों को लगाए जाते हैं।

राजनीति का टीका और टीके की राजनीति

देश में तमाम विषाणुओं से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए टीके बनते और इस्तेमाल किये जाते रहे हैं लेकिन टीके को लेकर राजनीति देश में पहली बार हुई जब बिहार विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा ने इस अजन्मे टीके को एक आश्वासन के रूप में भुनाने की कोशिश की। अब देश में कोरोना वायरस का ये टीका राजनीति के साथ 16 जनवरी को प्रयोग में लाया जा रहा है। देश को इसका स्वागत करना चाहिए। कहते हैं कि कोई दो सौ साल पहले 1802 में मुंबई में एक 3 वर्षीय लड़की को चेचक का टीका दिया गया था, जिससे वह भारत में टीका लेने वाली पहली भारीतय बनी। ब्रिटिश सरकार ने सफलता का दावा किया और इसके बजाय केवल टीकाकरण की सिफारिश करने के लिए पिछली प्रौद्योगिकी के उल्लंघन के उपयोग को रोकना शुरू किया। लेकिन स्थिति जटिल थी क्योंकि टीके दीर्घकालिक समाधान थे, लेकिन जिस तरह से ब्रिटिश राज ने उन्हें पेश किया जिस तरह से लोग पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी कार्यों, और धर्म तक पहुंच को बाधित कर रहे थे। बचपन में हमें भी ऐसा ही एक टीका लगाया गया था जिसके निशान आज भी हमारे बाजू पर मौजूद हैं। लेकिन शायद इस टीके ने ही हमें कुरूप होने से बचाया और आज तक एक बड़ी व्याधि से बचाये रखा ।

विषाणुजनित बीमारियों के टीके लम्बी शोध के बाद इस्तेमाल के लायक बन पाते हैं, इनका मकसद ही व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखना होता है, इसलिए टीका बनाने वाले वैज्ञानिकों के मन में टीका बनाते समय कोई राजनीति नहीं होती, लेकिन टीका बनाने के लिए जो संसाधन लगते हैं वे राजसत्ता और राजनीति के बिना जुटाए भी नहीं जाते इसलिए शायद पहली बार ये टीके भी राजनीति के शिकार हो गए हैं। भारत में वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत पहले से 12 तरह के टीके बच्चों को लगाए जाते हैं। बाकी के लिए भी लगभग हर विषाणुजनित बीमारी के टीके उपलब्ध हैं, बावजूद इसके हमारे यहां डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो व खसरा कभी-कभी सर उठा ही लेता है। भारत में कुछ बीमारियां देशी विषाणुओं के कारण होती हैं लेकिन बहुत सी बीमारियां विदेशों से हवाई जहाजों या जलपतों में स्वर होकर आ जाती हैं,जैसे इस बार बुहान से कोरोना आ गया। इस कोरोना के कारण सिर्फ भारत ही नहीं अपितु पूरी दुनिया हलकान है, लेकिन अब इसका टीका आ गया है। पहले भारत में आने वालों को विश्व स्वास्थ्य संगठन विभिन्न परिस्थितियों में पर्यटकों के लिए विभिन्न टीकों की सलाह देता रहा है। इन टीकों में डिप्थीरिया वैक्सीन, टेटनस वैक्सीन, हेपेटाइटिस ए का टीका, हेपेटाइटिस बी वैक्सीन, ओरल पोलियो वैक्सीन, टाइफाइड वैक्सीन, जापानी इंसेफेलाइटिस, मेनिंगोकोकल वैक्सीन, रेबीज का टीका और येलो फीवर टीका शामिल हैं। अब कोरोना का टीका भी इस फेहरिस्त में शामिल हो गया है

भारत में कोरोना पर प्रहार के लिए टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी से शुरू होगा। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। इसके बाद 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। अच्छी बात ये है कि कोरोना वैक्सीन को लेकर की गयी राजनीति के बाद भी फिलहाल इसका वैसा विरोध नहीं हुआ है जैसा कि किसान कानूनों का हो रहा है। आपको याद होगा कि देश में महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस से अब तक 1.50 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 1 करोड़ 4 लाख से ज्यादा देश में कुल मामले हैं। इसमें से 2 लाख 21 हजार सक्रिय मामले हैं और 1 करोड़ से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। ये तब है जब लोग आज भी इस संक्रमण को लेकर बहुत ज्यादा एहतियात बरतने में लापरवाही कर रहे हैं।

कोरोना वैक्सीन या टीके को लेकर राजनीति करने वाली भाजपा ने समय रहते अपनी गलती सुधार ली। समाजवादी अखिलेश यादव ने तो ये टीका लगवाने से ही इंकार कर दिया। कायदे से ये टीका सबसे पहले देश के प्रधानमंत्री लगवाते तो देश में एक बेहतर सन्देश जाता और टीके की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ती लेकिन 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे 'वाला मामला है। भाजपा शासित अनेक मुख्यमंत्रियों तक ने फिलहाल ये टीका लगवाने से इंकार कर दिया है। आज जरूरत इस बात की है कि 16 जनवरी से शुरू हो रहे इस महत्वपूर्ण टीकाकरण अभियान को राजनीति से दूर रखा जाये। संयोग से हमारे पास टीका उत्पादन और टीकाकरण का बेहतर अनुभव है इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि हम दुनिया के दूसरे मुल्कों के बजाय ज्यादा प्रभावी तरिके से इस अभियान को कामयाब बना पाएंगे।

कोरोना से बचाव के लिए ये टीका लगवाना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इस बीमारी ने हमारे निजी स्वास्थ्य के साथ ही देश के आर्थिक,सामाजिक और राजनीति स्वास्थ्य को भी गंभीर क्षति पहुंचाई है। ये टीका भविष्य की जरूरत है और इसे यही मानकर स्वीकार किया जाना चाहिए। टिका भरोसेमंद बना रहे ये जिम्मेदारी सरकार की है। हमारी जिम्मेदारी है की हम इस टीके को लेकर व्यर्थ की अफवाहों से सावधान रहें। न अफवाहें फैलाएं और न फैलने दें।

राकेश अचल

प्रेरक प्रसंग

अच्छा आदमी कौन?

एक था राजा। एक बार उसने अपने दरबारियों से समक्ष एक सवाल रखा, अच्छा आदमी कौन है? जो अच्छा काम करे। कोई दरबारी बोला। जैसे? मैंने एक मन्दिर बनवाया है, जहां सैकड़ों लोग रोज जाकर पूजा करते हैं। जनहित के लिए मैंने यह एक अच्छा कार्य किया है। एक तालाब बनवाया है मैंने जिसमें आम लोग स्नान आदि करते हैं। दूसरे दरबारी ने कहा। तीसरा दरबारी भी झट बोल उठा, मैंने राहगीरों के ठहरने के लिए एक धर्मशाला बनवाई है। यह भी एक नेक कार्य है। मगर एक दरबारी चुपचाप बैठा रहा। राजा की निगाह उस पर गई। उसने उससे पूछा। आप चुप क्यों हैं? मैंने कभी कुछ नहीं बनवाया है। फिर भी अपने जीवन में कुछ अच्छे कार्य तो जरूर किए होंगे। सोचकर कहिए राजा ने पूछा। उसने कहा-एक बार पहाड़ी जंगल से होकर मैं गुजर रहा था कि कई डाकुओं ने मुझे घेर लिया। मेरे पास कुछ न पाकर उन्होंने मुझे जान से मार डालना चाहा। मैंने उनसे कहा, मुझे दुख है कि मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं है। हाँ, मेरी जान लेकर आप सब सुखी हो सको तो मैं अपनी जान सहर्ष देने के लिए तैयार हूँ। सोचता हूँ, चलो मेरा जीवन किसी के काम तो आया। मगर मृत्यु के पहले मेरी सलाह सुन लो, इससे मेरी आत्मा को शान्ति मिलेगी। कैसी सलाह? डाकू का सरदार बोला। लूटपाट और हत्या का कार्य इसके बाद आप सब बिल्कुल छोड़ दें। इतनी मेहनत अगर अच्छे कार्यो में करेंगे तो भगवान आपको और शान्ति देगा। कहकर मैंने अपनी आँखे मूँद ली और भगवान से मन ही मन प्रार्थना करने लगा कि वह इन डाकुओं को सद्बुद्धि प्रदान करे। अगले ही क्षण डाकुओं का सरदार मेरे पैरों पर गिर पड़ा और बोला, आपने हमारी आँखें खोल दी। मैं अब आपकी जान नहीं लूँगा। आपकी नेक सलाह मुझे स्वीकार है। सचमुच लूटपाट और खून खराबे से हमें आजतक सिर्फ पेरशानी और अशान्ति ही मिली है। अब सब आपके सुझाव के अनुसार सही कार्य करके ही जीवन यापन करेंगे आज से यह कुंठित कार्य एकदम छोड़ देंगे। दरबारी ने राजा को बताया। मेरे जीवन की यही एक स्मरणीय घटना है। इसमें अगर आपको कुछ अच्छाई नजर आए तो कहिए। अपनी बात खत्म कर वह दरबारी राजा की ओर देखने लगा।

उच्च स्तर पर तेल के दाम

पेट्रोल की कीमतें अभी सबसे उच्च स्तर पर हैं और डीजल के दाम भी बढ़े हैं. अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल के दाम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. आगामी फरवरी और मार्च में सऊदी अरब द्वारा उत्पादन में कटौती की घोषणा ने भी इस वृद्धि में योगदान दिया है. ऐसे में देशी शोधकों व वितरकों को भी दाम बढ़ाना पड़ रहा है. उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप तेल की खरीद के लिए लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है. तेल की खुदरा कीमत में सरकारी शुल्क का बड़ा हिस्सा होता है. मार्च और मई में 1.6 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व जुटाने के इरादे से शुल्क को फिर बढ़ाया गया था. उल्लेखनीय है कि तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों तथा मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के हिसाब से खुदरा बिक्री के दाम की रोजाना समीक्षा होती है तथा इस निर्धारण में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है, लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की विक्रेता कंपनियां दाम संतुलित रखने का प्रयास भी करती रही हैं. इसी वजह से खुदरा कीमतों में ताजा बढ़ोतरी लगभग एक महीने के अंतराल के बाद हुई है. महामारी की मार से त्रस्त अर्थव्यवस्था में सुधार तो हो रहा है, लेकिन खुदरा महंगाई दर का लगातार उच्च स्तर पर बने रहना सुधार की प्रक्रिया में एक बड़ा अवरोध है. साल 2020 में केवल मार्च के महीने में ही यह दर छह फीसदी से नीचे आयी थी. मुद्रास्फीति का रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सीमा से कहीं अधिक होना चिंताजनक है. पेट्रोल व डीजल का महंगा होना इसे और बढ़ा सकता है. इसका एक असर मांग में कमी के रूप में भी हो सकता है, जबकि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मांग में बढ़ोतरी जरूरी है. मांग बढ़ेगी, तो उत्पादन में तेजी आयेगी और रोजगार के मौके बनेंगे. रोजगार से आमदनी होगी, जो मांग को आधार देगी. इस समीकरण पर मुद्रास्फीति का नकारात्मक असर हो सकता है.

दिसंबर में सब्जियों व अन्य कृषि उत्पादों की आवक से महंगाई में मामूली कमी आयी है, पर तेल के दाम बढ़ने से यह कमी बेअसर हो जायेगी. बीते साल के पहले छह माह में लॉकडाउन होने तथा तेलों की ढुलाई व मांग में बड़ी गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी कीमतें गिरी थीं. कुछ समय के लिए दाम शून्य से भी नीचे चले गये थे, पर उस स्थिति का लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को नहीं मिल सका, क्योंकि न तो कंपनियों ने दाम घटाये और न ही सरकार ने शुल्कों में कोई छूट देने का प्रयास किया. महामारी से पहले के दौर में भी कीमतें गिरी थीं. यदि तब ग्राहकों को फायदा मिला होता, तो आज उन्हें अधिक दाम देने में परेशानी नहीं होती. अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकारों और तेल कंपनियों को दामों में कमी लाने के उपायों पर विचार करना चाहिए.

अग्निकांडों से अस्पतालों में जा रहे अनमोल प्राण

भारतीय अस्पतालों में जहां बीमार लोग नया जीवन पाने के लिए जाते हैं, समय-समय पर होने वाले अग्निकांडों के परिणामस्वरूप लोग बेमौत मर रहे हैं। इंटरनेशनल जरनल आफ कम्युनिटी मैडीसन और पब्लिक हैल्थ की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 साल में देश के अस्पतालों में आग लगने की 33 बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। 9 जनवरी 2021 को तड़के 1.30 बजे महाराष्ट्र में भंडारा के सरकारी अस्पताल में ह्यसिक न्यूबोर्न केयर यूनिट में आग लगने से एक दिन से 3 महीने तक आयु के 17 बच्चों में से 10 बच्चों की जिंदा जल जाने से मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन की महाराष्ट्र लापरवाही इसी से स्पष्ट हो जाती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए लगातार आक्सीजन आपूर्ति आदि की व्यवस्था बनाए रखने के लिए सम्बन्धित कर्मचारी के अलावा इस वार्ड में रात के समय एक डाक्टर और 4 से 5 नर्सों की ड्यूटी अनिवार्य होने के बावजूद वार्ड में न ही ऑक्सीजन आपूर्ति की निगरानी रखने वाला कर्मचारी था, न ही कोई नर्स व डाक्टर था।

अस्पताल में आग लगने की घटना शार्ट सर्किट का नतीजा बताई जा रही है। अतः प्रश्न उठता है कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की नियमित जांच का नियम होने के बावजूद शार्ट सर्किट क्यों हुआ? वार्ड में स्मोक डिटैक्टर भी नहीं लगा हुआ था। यदि लगा होता तो आग लगने की जानकारी पहले मिल जाने से बच्चों की जान बच सकती थी। बहरहाल, इस घटना ने अतीत में भारतीय अस्पतालों में होने वाले अग्रिकांडों की याद ताजा कर दी है जिनमें से चंद बड़े अग्रिकांड निम्र में दर्ज हैं: 9 दिसम्बर, 2011 को कोलकाता के ए.एम.आर.आई. अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड में वहां उपचाराधीन 93 रोगियों की मौत हो गई। 13 जनवरी, 2013 को बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में आग लगने से 3 रोगी गम्भीर रूप से झुलस गए। 16 अक्तूबर, 2015 को उड़ीसा के कटक में आचार्य हरिहर रिजनल कैंसर सैंटर में आप्रेशन थिएटर में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 80 रोगियों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट करना पड़ा। 18 अक्तूबर, 2016 को भुवनेश्वर के एस.यू.एम. अस्पताल के आई.सी.यू. में लगी भयानक आग के परिणामस्वरूप वहां उपचाराधीन 20 रोगी मारे गए। 16 जुलाई, 2017 को लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मैडीकल यूनिवसटी तथा अस्पताल में डिजास्टर मैनेजमैंट वार्ड में ही आग लग गई जिससे 250 रोगियों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट करना पड़ा। 20 दिसम्बर, 2018 को मुम्बई में ई.एस.आई.सी. कामगार अस्पताल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई और 145 रोगी झुलस गए। गत 5 महीनों में गुजरात के अस्पतालों में होने वाला यह सातवां अग्निकांड था।

केंद्र सरकार ने 30 नवम्बर को जारी आदेश के अंतर्गत देश भर के अस्पतालों और नर्सिंग होम्स में आग से सुरक्षा के उपायों का पालन करने के लिए कहा था और सुप्रीमकोर्ट भी 18 दिसम्बर, 2020 को सभी राज्यों को अस्पतालों में फायर सिक्योरिटी ऑडिट कराने और अस्पतालों को फायर डिपार्टमैंट से एन.ओ.सी. लेने का भी आदेश जारी कर चुकी है। सुप्रीमकोर्ट ने ऐसा न किए जाने पर दोषी अस्पतालों के प्रबंधन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के संबंधित विभागों को निर्देश भी दिए थे परंतु इसके बावजूद, न ही केंद्र सरकार के निर्देशों और न ही सुप्रीमकोर्ट के आदेश का पालन किया जा रहा है।बिजली की खपत और लोड के अनुसार वायरिंग अपग्रेड न होने से शार्ट सर्किट होने के अलावा एयर कंडीशनरों में खराबी, आग बुझाने वाले यंत्रों का काम न करना, वैंटीलेटर जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों में खराबी पैदा होना आदि आग लगने के मुख्य कारण माने जाते हैं। अतः ड्यूटी के समय अस्पताल के संबंधित कर्मचारियों के सचेत रहने, किसी भी खराबी के लिए उन पर जिम्मेदारी तय करने, बिजली आदि के उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के अलावा ऐसी मौतों के लिए जिम्मेदार स्टाफ के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है, नहीं तो अस्पतालों में लोग बेमौत मरते ही रहेंगे।

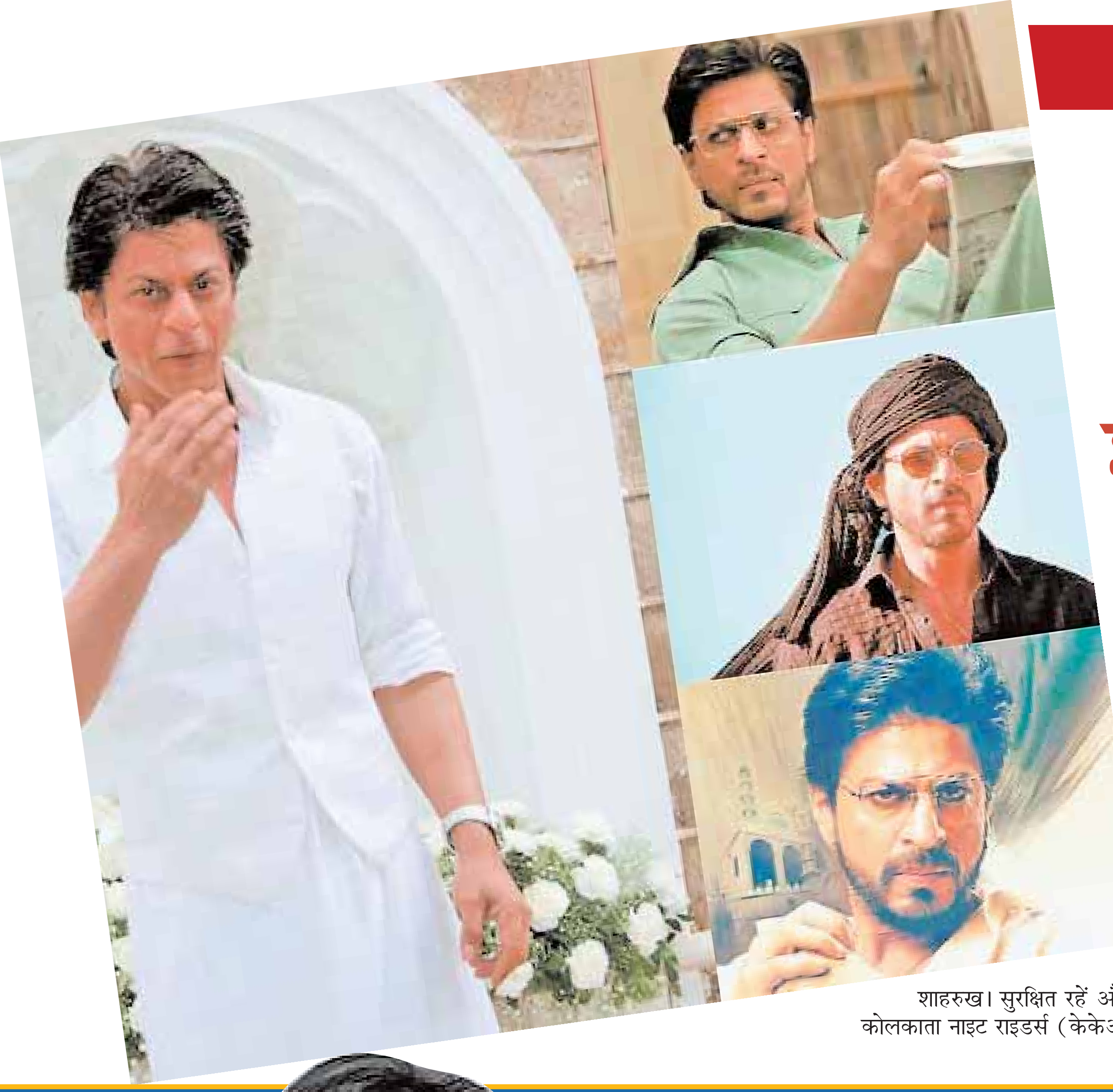

55 साल के हुए बॉलीवुड के बादशाह

शाहरूख ने पहली फिल्म से ही लोगों को बना लिया था 'दीवाना'

शाहरुख खान सोमवार को 55 साल के हो गए हैं। शाहरुख खान का जन्म 1965 में नई दिल्ली में ताज मोहम्मद खान और लतीफ फातिमा के घर हुआ था। उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी थे। उनकी एक बड़ी बहन है। जिसका नाम शहनाज है। इस खास मौके पर शाहरुख को दुनिया भर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। शाहरुख खान बैरी जॉन के थिएटर एक्शन ग्रुप का हिस्सा बने और सबसे पहले उन्होंने छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाई। 1988 के टीवी धारावाहिक 'फौजी' में कमांडो अभिमन्यु राय के रूप में उनकी प्रमुख भूमिका ने उन्हें तुरंत लोकप्रिय बना दिया। उनका अगला टीवी शो 'सर्कस' बहुत बड़ा हिट सीरियल रहा। शाहरुख को बड़ा ब्रेक 1992 की फिल्म 'दीवाना' में मिला, जहां उन्होंने दिव्या भारती के साथ अभिनय किया। अपने अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्?ट न्?यूकमर (मेल) का अवॉर्ड मिला। फिल्म 'बाजीगर' से लेकर 'जीरो' तक कई ऐसी फिल्में हैं, जिन्होंने शाहरुख को बॉलीवुड का 'किंग खान' बना दिया। आपको शाहरुख खान की फिल्म 'दीवाना' तो याद ही होगी। इस फिल्म के निमार्ताओं की पहली साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन थे। लेकिन नागार्जुन ने डेट्स की वजह से ये फिल्म छोड़ दी, जिसके बाद फिल्म के लिए अरमान कोहली को अप्रोच किया गया। जब यहा भी बात नहीं बनी तो निर्देशकों ने शाहरुख खा को रोल निभाने का मौका दिया। फिल्म में शाहरुख की एक्टिंग की काफी तारीफ भी हुई। जन्मदिन के अवसर पर दुनियाभर में दोस्तों, सहयोगियों और प्रशंसकों से सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी गईं। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने शाहरुख खान के लिए अपने प्यार का इजहार करते हुए कहा कि दिग्गज ने उन्हें प्यार करना सिखाया। अभिनेता राजकुमार राव, जो खुद को शाहरुख के बड़े प्रशंसक कहते हैं, उन्होंने ट्विटर पर सुपरस्टार के हिट गीत, 'छैय्यां छैय्यां' पर एसआरके के साथ रिहर्सल करते हुए उनकी एक क्लिप साझा की। उन्होंने लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं एसआरके सर। शाहरूख की करीबी दोस्त और अभिनेत्री जूही चावला ने घोषणा की कि वह उनके जन्मदिन पर 500 पेड़ लगाएंगी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं हैशटैगकावेरीकॉलिंग के लिए उनके जन्मदिन पर शाहरुख के लिए 500 पेड़ लगाने वाली हूं। सह-कलाकार, सह-निमार्ता से लेकर सह-मालिक तक .. बहुत सारी मुस्कुराहट और थोड़े आंसुओं के साथ यह एक लंबी, रंगीन और यादगार यात्रा रही है। वहीं अभिनेत्री शिल्पा ने लिखा, "मेरे पहले हीरो, मेरे बाजीगर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं आपके लिए हमेशा प्रार्थना करती हूं कि आपके दिल की सारी इच्छाएं पूरी हो, क्योंकि आप इसके लायक हैं, शाह।अनुष्का ने लिखा, अपनी बुद्धि, आकर्षण, बुद्धिमता और खुलेपन के लिए आपका जन्मदिन शानदार हो शाहरुख। अभिनेत्री करीना कपूर ने लिखा, हैप्पी बर्थडे किंग खान .. चलिए हमेशा मस्ती के साथ डांस करते रहें। आप हमारे सबसे प्यारे, सबसे दयालु सुपरस्टार हैं .. आगे बढ़ते रहें शाहरुख। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने ने ट्वीट किया, जब भी हम मिलते हैं, वहां मस्ती, जादू और ढेर सारा प्यार होता है। जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं शाहरुख। सुरक्षित रहें और उम्मीद है कि आपसे जल्द मिलेंगे। गौरतलब है कि एसआरके वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जारी सत्र में अपनी क्रिकेट टीम, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का समर्थन करने के लिए अपने परिवार के साथ संयुक्त अरब अमीरात में है। वहीं उनकी सुहाना ने भी उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दीं।

दीपिका सिंह ने 'आज फिर जीने की तमन्ना है' पर किया जोरदार डांस

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने मचाई धूम

टेलीविजन जगत की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका सिंह गोयल का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दीपिका का यह डांस वीडियो किसी और ने नहीं, बल्कि खुद दीपिका ने इंस्टाग्राम पर साझा किया, जो सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो में दीपिका साड़ी पहनकर सदाबहार अभिनेत्री वहीदा रहमान की साल 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'गाइड' के मशहूर गाना 'आज फिर जीने की तमन्ना है' पर डांस करती नजर आ रही हैं। दीपिका ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा-'आज का मूड।' सोशल मीडिया पर दीपिका के इस वीडियो को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि फैंस इस पर जमकर प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। वीडियो में दीपिका के डांस के साथ ही उनका एक्सप्रेशन भी कमाल का हैं। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है, जब दीपिका का कोई डांस वीडियो इतना पसंद किया जा रहा है। दीपिका सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती है और अक्सर अपने डांस वीडियो फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। दीपिका सिंह गोयल एक अच्छी ओड़िसी डांसर भी हैं। स्टार प्लस के मशहूर धारावाहिक दिया और बाती हम में संध्या के किरदार से अभिनेत्री दीपिका सिंह घर-घर महशूर हुई थी। इसके बाद वह सीरियल कवच में भी नजर आई थी। दीपिका अक्सर सोशल मीडिया के जरिये फैंस से जुड़ी रहती हैं। दीपिका ने 2014 में डायरेक्टर रोहित राज गोयल से शादी की थी।

बिग बॉस के घर से बेघर होंगे कविता कैशिक और निशांत सिंह

'बिग 'बिग बॉस 14' में हर दिन नए उतार चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं। इस हफ्ते शो में नया ट्विस्ट आया है, जिससे फैंस काफी हैरान हो रहे हैं। इस हफ्ते घर से एक नहीं बल्कि दो-दो सदस्यों को बाहर हो जाएंगे। 'बिग बॉस' से जुड़ी अपडेट देने वाले 'द खबरी' के मुताबिक कविता कौशिक और निशांत सिंह मलखानी के घर से बेघर हो जाएंगे। 'द खबरी' ने ट्वीट करते हुए लिखा, इस हफ्ते डबल इविक्शन में कविता कौशिक और निशांत सिंह मलखानी घर से बाहर हो जाएंगे। एक एलिमिनेशन ऑडियंस के वोटों के आधार पर किया जाना है। तो वहीं दूसरा एलिमिनेशन घरवालों की आपसी सहमति से किया जाएगा। वहीं, सुनने में आया है कि जैस्मिन भसीन को भी घर से बेघर कर दिया गया है। मिड वीक में एली गोनी घर में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट एंट्री लेंगे। एली टीवी के मशहूर कलाकर और जैस्मिन भसीन के करीबी दोस्त भी हैं। बता दें एक हफ्ते पहले ही कविता कौशिक की बिग बॉस के घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई थी और उन्हें बहुत जल्द घर से बेघर कर दिया जाएगा।

गोवा में दिसंबर में होगा लोकप्रिय सनबर्न महोत्सव

लोकप्रिय संगीत समारोह सनबर्न सीमित क्षमता और कोविड-19 सुरक्षा उपायों के साथ फिर से इस साल गोवा लौट रहा है। देश में महोत्सव (फेस्ट) का 14वां संस्करण सोमवार को आधिकारिक रूप से घोषित किया गया। तीन दिवसीय महोत्सव 27 दिसंबर से वागाटोर में आयोजित किया जाएगा। सभी पर्यटकों एवं मेहमानों को उत्सव स्थल में प्रवेश पाने के लिए स्कैनिंग से गुजरना होगा और उन्हें अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप भी रखना होगा। कोरोनावायरस महामारी को देखते हुए लोगों की सीमित संख्या और उनके बीच पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए वागाटोर में समारोह के आयोजक पूरे आयोजन स्थल पर उचित इंतजाम सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रत्येक सहभागी का मुख्य मंच के सामने अपना एक निर्दिष्ट स्थान होगा। आयोजन स्थल पर नए प्रवेश और निकास प्रोटोकॉल निर्धारित किए जाएंगे। सनबर्न महोत्सव में आए सभी लोगों के लिए पूरे फेस्ट के दौरान फेस मास्क पहनना अनिवार्य होगा। जहां फेस्ट आयोजित होगा, उस मैदान में मेहमानों के लिए नियमित थर्मल स्कैनिंग, हैंड वॉश और सैनिटाइजर भी उपलब्ध होंगे। संगीत समारोह को लाइव स्ट्रीम भी किया जाएगा।

नवंबर के आखिर में शुरू होगी 'फोन भूत' की शूटिंग

फोन भूत' के मेकर्स गोवा में इसी महीने यानी नवंबर के आखिर में कॉमिडी फिल्म की शूरू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म 'फोन भूत' में कटरीना कैफ, ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल्स में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत चतुर्वेदी पहले से ही गोवा में है, जहां वह फिलहाल शकुन बत्रा की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कटरीना कैफ और ईशान खट्ट नवंबर के आखिर तक फिल्म 'फोन भूत' की शूटिंग शूरू करने के लिए उनको ज्वॉइन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म की शुरूआती तैयारी के बाद कटरीना अपने परिवार से मिलने के लिए यूके चली गईं। फिल्म 'फोन भूत' का एक हिस्सा जो घोस्टबस्टर्स के आसपास घूमता है, उसकी शूटिंग गोवा में होगी। इसके बाद मुंबई का शेड्यूल होगा। फिल्म 'फोन भूत' के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर गुरमीत सिंह ने कथित तौर पर कहा कि वह इस प्रॉजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी रोमांचित हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण चीजें अनिश्चित हो गई हैं, लेकिन जल्द ही क्लैरिटी मिलेगी।

सोनू सूद की नेकी, चाय बेचने वाले के बच्चों को देंगे मोबाइल

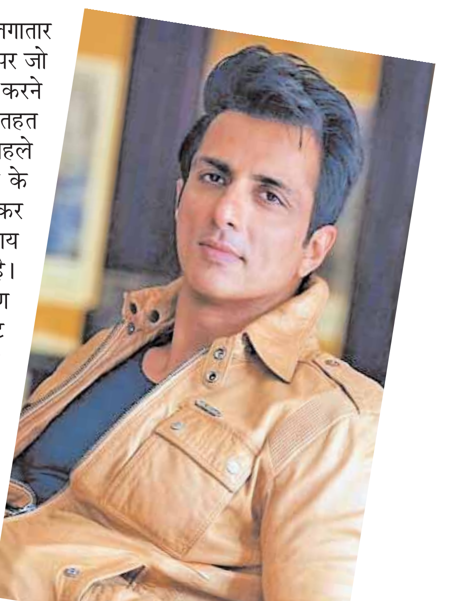

एक्टर सोनू सूद के नेक कामों का सिलसिला लगातार जारी है। सोनू लगातार जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो कोई भी सोनू से मदद की गुहार लगाता है। एक्टर तुरंत उसकी मदद करने के लिए पहुंच जाते हैं। देश में इस समय आत्मनिर्भर भारत के तहत लोकल के लिए वोकल की एक अनोखी मुहिम चल रही है। बाबा का ढाबा पहले ही इस मुहिम की वजह से काफी सफल बन चुका है। अब सोनू भी इस तरह के लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। जो ठीक तरह से अपना गुजारा नही कर पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों चाय वाले की फोटो वायरल हो रही है। चाय वाला सारा दिन मेहनत कर चाय बेचता है और अपने परिवार का गुजारा करता है। चाय वाला अपने बच्चों को स्कूल भी भेजता है पर पढ़ाई डिजिटल होने के कारण वह अपने बच्चों को मोबाइल नही ले के दे पा रहा। सोनू को टैग करते हुए ट्वीट किया गया-दिल्ली के राधू पैलेस में सड़क पर एक चाय का ठेला चलाने वाले अमित जी के दो बच्चे हैं। एक पांचवी में पढ़ता है तो दूसरा 9वीं में, लेकिन दोनों बच्चे स्मार्टफोन ना होने की वजह से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। सोनू ने इसका जवाब देते हुए लिखा-सोमवार से आपके बच्चों की कोई भी क्लास मिस नहीं होगी। कभी हम दिल्ली आए तो आप अपनी दुकान की चाय और ऑमलेट खिला देना। फैंस सोनू की इस दरियादिली से बहुत खुश हैं। फैंस सोनू पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। बता दें इससे पहले सोनू ने उत्तर प्रदेश की हजारों लड़कियों को साइकिल देने का ऐलान किया है। लड़कियों की पढ़ाई न छूट जाए। सोनू कई लोगों की जिदंगी में खुशियां लेकर आए हैं।

संक्षेप में...

इस आईपीएल में नीतीश राणा के नाम सबसे ज्यादा रन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2021 में अभी तक कुल छह मैच खेले जा चुके हैं। इन छह मैचों के बाद ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा बने हुए हैं। टॉप-5 में सनराइजर्स हैदराबाद के मनीष पांडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ग्लेन मैक्सवेल की एंट्री हुई है। मैक्सवेल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 14 अप्रैल को खेले गए मैच में 59 रनों की पारी खेली और मैन ऑफ द मैच भी चुने गए। वहीं मनीष पांडे ने 38 रनों का योगदान दिया। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी को ऑरेंज कैप से और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को पर्पल कैप से नवाजा जाता है। गेंदबाजों की अगर बात करें, तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट लेने वाले हर्षल पटेल ने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के दो विकेट झटके। सात विकेट के साथ वह पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। आंद्रे रसेल इस लिस्ट में छह विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के स्पिनर राशिद खान की टॉप-5 में एंट्री हुई है। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ दो विकेट झटके और पहले मैच में भी उन्होंने दो विकेट लिए थे। इस तरह से चार विकेट के साथ वह इस दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

टेनिस : जोकोविच मोंटे कार्लो के तीसरे दौर में पहुंचे

लंदन। टॉप सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जानिक सिनर को लगातार सेटों में हराकर मोंटे कार्लो टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। डीपीए रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के नंबर-1 जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद यह पहला टूर्नामेंट है। जोकोविच ने सिनर को 6-4, 6-2 से हराया। जोकोविच इस टूर्नामेंट का खिताब तीसरी बार जीतने की कोशिश में हैं। जोकोविच का अगले दौर में सामना डान एवान्स से होगा, जिन्होंने मियामी ओपन चैंपियन 13वीं सीड हुबर्ट हुरकाज को 6-4, 6-1 से हराया। तीसरी सीड स्पेन के राफेल नडाल ने अर्जेटीना के फेडरिको डेलबोनिस को 6-1, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। इस बीच, गत विजेता इटली के फाबियो फोगनिनी ने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉमप्सन को 6-3, 6-3 से हराया।

तैराकी : नटराज ओलंपिक ए क्वालीफिकेशन मार्क के करीब पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के तैराक श्रहरि नटराज ने ताशकंद में चल रहे उज्बेकिस्तान ओपन समर स्विमिंग चैंपियनशिप के पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक के शुरूआती राउंड में 54.10 सेकेंड का समय लिया और वह ओलंपिक ए क्वालिफिकेशन समय 53.85 सेकेंड के करीब पहुंचे। 19 वर्षीय नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ 54.69 सेकेंड का है जो बी क्वालीफिकेशन मार्क है। उन्होंने यह समय बुडापेस्ट में 2019 में हुए वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में हासिल किया था। नटराज अगर पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक वर्ग के फाइनल में ओलंपिक ए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल कर लेते हैं तो वह भारत के पहले तैराक होंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेगा। साजन प्रकाश सहित कुछ छह भारतीय तैराकों ने 2019 में बी क्वालिफिकेशन हासिल किया था लेकिन इससे ओलंपिक में क्वालीफाई करने की गारंटी नहीं है।

आईपीएल-14 : दिल्ली कैपिटल्स को 147 रन पर रोका

16 करोड़ी मॉरिस ने राजस्थान को दिलाई सीजन की पहली जीत

■ मुंबई

अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने यहां के वानखेड़े स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए आईपीएल-14 के अपने दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक लिहाज से हार के करीब धकेल दिया था लेकिन नीलामी में 16.25 करोड़ रुपये में राजस्थान से जुड़े क्रिस मॉरिस ने अपनी उपयोगिता साबित करते हुए उसे दो गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत दिला दी। यह दिल्ली की पहली हार है। उसने अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराया दूसरी ओर, राजस्थान की यह पहली जीत है। उसे अपने पहले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों अंतिम अंतिम गेंद तक खिंचे मुकाबले में चार रनों से हार मिली थी।

बहरहाल, राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय 42 रनों पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन डेविड मिलर (62) और राहुल तेवतिया (19) ने किसी तरह स्कोर को 90 तक पहुंचाया। तेवतिया इसी योग पर आउट हुए। बढ़ते दबाव को मिलर भी नहीं खेल सके और 107 के कुल योग पर अवेश खान की गेंद पर दिल्ली के लिए डेब्यू कर रहे ललित यादव के हाथों लपके गए। मिलर ने

43 गेंदों पर सात चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद राजस्थान के 16 करोड़ी खिलाड़ी क्रिस मॉरिस (नाबाद 36 रन, 18 गेंद, 4 छक्के) और दिल्ली को झकझोरने वाले जयदेव उनादकट विकेट पर आए। इन दोनों ने टीम की नैया पार लगाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। खासतौर पर मॉरिस पर जिन्हें राजस्थान ने आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया था। मॉरिस ने भी इस विश्वास को कायम रखते हुए अपनी टीम को पहली जीत दिलाई। उनादकट सात गेंदों पर एक छक्के की मदद से 11 रनों पर नाबाद लौटे। दिल्ली की ओर से अवेश खान ने तीन विकेट लिए जबकि क्रिस वोक्स और कगीसो रबाडा को दो-दो सफलता मिली। इन तीनों ने मिलकर दिल्ली की जीत की इबारत लिख दी थी लेकिन वे और दिल्ली की बदकिस्मत रही क्योंकि आज का दिन मॉरिस का था इससे पहले, तेज गेंदबाज उनादकट (3/15) के नेतृत्व में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए दिल्ली को 147 रन पर रोक लिया। दिल्ली की टीम ने कप्तान ऋषभ पंत के 32 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 51 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और उनादकट ने उसे शुरुआती झटके दिए। दिल्ली ने पृथ्वी शॉ (2), शिखर धवन (9), अजिंक्य रहाणे (8) और मार्कस स्टोयनिस (0) के विकेट कुल 37 के योग पर गंवा दिए। इसके बाद पंत ने कुछ ताबड़तोड़ शॉट्स खेल टीम को मुश्किल से उबारने की कोशिश की और अर्धशतक जड़ा। अर्धशतक जड़ने के बाद पंत रनआउट हो गए। पंत के आउट होने के बाद मोरिस ने ललित यादव को आउट कर दिल्ली को छठा झटका दिया। ललित ने 24 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 20 रन बनाए। इसके बाद टॉम करेन ने कुछ शॉट्स खेल टीम का स्कोर बढ़ाना की कोशिश की लेकिन मुस्ताफिजुर ने उन्हें बोल्ड कर दिया। करेन ने 16 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन भी रन आउट होकर पवेलियन लौटे। अश्विन ने चार गेंदों पर एक चौके की मदद से सात रन बनाए। दिल्ली की पारी में क्रिस वोक्स 11 गेंदें खेल दो चौकों की मदद से नाबाद 15 रन और कैगिसो रबाडा चार गेंदों पर एक चौके के सहारे नौ रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की ओर से उनादकट के अलावा मुस्ताफिजुर रहमान ने दो विकेट और क्रिस मोरिस ने एक विकेट लिया।

एएफसी चैंपियंस लीग

गोवा ने अल रयान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला

■ मारगाओ (गोवा)

एफसी गोवा ने यहां फतोर्दा स्टेडियम में खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग के ग्रुप ई मुकाबले में अल रयान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। शुरूआत में अल रयान ने गोल करने के मौके भुनाए, लेकिन गोवा ने गोल होने से रोक दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त लेने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। पहला हॉफ खत्म होने से कुछ देर पहले गोवा ने भी गोल करने का मौका बनाया, लेकिन अल रयान ने इस कोशिश को सफल नहीं होने दिया।

पहले हॉफ के खत्म होने तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला गोल रहित रहा। दूसरे हॉफ में एक बार फिर दोनों टीमों ने अपना दमखम दिखाया और बढ़त लेने की पुरजोर कोशिश की। अंतिम 10 मिनट में इवान गोंजालेज की टीम ने बढ़त हासिल करने की कई प्रयास किए। 86वें मिनट में धीरज ने मौका भुनाया, लेकिन यह प्रयास भी असफल रहा। दोनों टीमों ने अंतिम मिनट तक गोल करने के प्रयास किए लेकिन निर्धारित समय तक गोवा और अल रयान की टीम गोल नहीं कर सकी और मुकाबला गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। गोवा भले ही मुकाबले को जीत नहीं सकी लेकिन उसने टूर्नामेंट की मजबूत टीम में से एक अल रयान के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला।

ब्रावो और करन चेन्नई टीम के सबसे फैशनेबल खिलाड़ी हैं : चाहर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर का कहना है कि ड्वेन ब्रावो और करन शर्मा टीम के सबसे फैशनेबल खिलाड़ी हैं। 28 वर्षीय चाहर ने कहा, महंगे कपड़े पहनने से कुछ नहीं होता यह जरूरी है कि आपके ऊपर क्या अच्छा लग रहा है। यह सस्ता हो सकता है लेकिन आपके ऊपर अच्छा दिखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं महंगे कपड़े नहीं पहनता। मैं सिर्फ वही पहनता हूं जो मेरे ऊपर अच्छा लगता है। चाहर ने ब्रावो और करन को टीम का सबसे फैशनेबल खिलाड़ी बताते हुए कहा कि इन्हें फैंसी कपड़े पहनना बहुत पसंद है।

ओलंपिक मेडल मिलने तक हमारा काम खत्म नहीं होगा : मनप्रीत

■ नई दिल्ली

भारत की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने टीम से यूरोप में होने वाले प्रो लीग मैचों और बाद में इस साल के होने वाले टोक्यो ओलंपिक में अपने अच्छे फॉर्म को जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। भारत ने ओलंपिक चैम्पियन अर्जेना पर 4-2 से जीत के साथ अपने दौरे का अंत किया। मनप्रीत ने कहा, अपने घरेलू मैदान पर अर्जेटीना जैसी वास्तव में मजबूत टीम के खिलाफ जीतना बड़ी बात है। एक बड़ा आत्मविश्वास बूस्टर है, लेकिन हमें परिणामों में अधिक नहीं पड़ना चाहिए। हमें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जिनमें सुधार की आवश्यकता है। हमारा काम

तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हम टोक्यो में पोडियम पर खड़े नहीं होते। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, इन मैचों के बाद, हमें लगता है कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हमें सुधार करने की आवश्यकता है। जबकि हमने एक टीम के रूप में अच्छा किया था और एक मैच में अंतिम समय में वापसी की थी। हमें खेल का स्तर बनाए रखना होगा और हमेशा कोशिश करनी होगा कि दबाव विपक्षी टीम पर बना रखें। भारतीय खिलाड़ी छह एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों के लिए यूरोप के लिए रवाना होने से पहले अगले हफ्ते बेंगलुरु में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सेंटर में लौटेंगे।

कपिल और सचिन के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले तीसरे भारतीय

विजडन अवॉर्ड्स: विराट कोहली पिछले दशक के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर बने

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक ने कोहली को पिछले दशक (2010-2019) का सर्वश्रेष्ठ वन-डे क्रिकेटर चुना है। विराट ने इस दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 की औसत से 11 हजार से ज्यादा रन बनाए। इस दौरान उन्होंने वन-डे में रिकॉर्ड 42 शतक भी लगाए। विराट पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और कपिल देव के बाद इस अवॉर्ड को जीतने वाले कोहली तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं।

एजेंसी ■ लंदन

इसके अलावा इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को पिछले साल (2020) का लीडिंग क्रिकेटर चुना गया। ऑस्ट्रेलिया की बुमन क्रिकेटर बेथ मूने को लीडिंग वुमन क्रिकेटर चुना गया। वहीं, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को लीडिंग टी-20 क्रिकेटर चुना गया।

ये 5 खिलाड़ी चुने गए क्रिकेटर ऑफ द ईयर

वेस्टइंडीज के ऑल-राउंडर जेसन होल्डर, पाकिस्तानी विकेट कीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान, इंग्लैंड के इमर्जिंग स्टार डॉम सिब्लिंग, उनके साथी क्रिकेटर जैक क्राउले और डैरेन स्टीवंस को क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

हर 10 साल में होती है अवॉर्ड की घोषणा

विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक हर दस साल में दशक के क्रिकेटर अवॉर्ड की घोषणा करता है। इस दौरान 10 सालों में वन-डे क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को इस खिताब से नवाजा जाता है। कोहली को अवॉर्ड वन-डे क्रिकेट में 2011 से 2020 तक के उनके प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

कोहली वर्ल्ड कप और चैम्पियंस ट्रॉफी विजेता टीम का हिस्सा रहे

इस दौरान कोहली 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप और 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं। पिछले दशक में कोहली और टीम इंडिया ICC के 5 वन-डे इंटरनेशनल टूर्नामेंट में से किसी में भी सेमीफाइनल

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

चार टी-20 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई, कप्तान बाबर आजम ने टी-20 का पहला इंटरनेशनल शतक बनाया

एजेंसी ■ सेंचूरियन

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को चार टी-20 मैचों की सीरीज के तीसरे मैच में 9 विकेट से हरा दिया है। पाकिस्तान टीम अभी साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। उसने टी-20 मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 16 अप्रैल को खेला जाएगा। पाकिस्तान ने मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 203 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की ओर से ओपनर जानेमन मलान ने 40 गेंदों पर 55 रन और एडम मारक्रम ने 31 गेंदों पर 63 रन बनाए। इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी हुई। वहीं वान

डर डुसेन ने नाबाद 34 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद नवाज ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं शाहिन शाह अफरीदी, हसन अली और फहीम अशरफ ने 1-1 विकेट लिए।

बाबर आजम ने टी-20 का पहला शतक लगाया: बाबर आजम ने टी-20 का पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। इससे पहले उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 97 रन था। इस मैच में उन्होंने 122 रन की पारी खेली। जिसमें 15 चौके और 4 छक्के लगाए। उनका यह 50वां टी-20 मैच था।

मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 73 रन बनाए: 203 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की ओर से कप्तान बाबर आजम के अलावा मोहम्मद रिजवान ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 47 गेंदों पर 73 रन बनाए। जबकि फखर जमान ने नाबाद 8 रन बनाए। टी-20 सीरीज से पहले पाकिस्तान ने वनडे सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया था। सीरीज में कप्तान बाबर आजम ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वे वनडे रैंकिंग में भारतीय कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। पाक टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद जिम्बाब्वे जाएगी। वहां टीम को तीन टी-20 और दो मैच की

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान हीथ स्ट्रीक पर आईसीसी ने लगाया 8 साल का बैन

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और दिग्गज हीथ स्ट्रीक पर 8 साल का बैन लगा दिया है। हीथ ने भ्रष्टाचार के नियमों के उल्लंघन का जुर्म को स्वीकार किया है। जिसके बाद आईसीसी ने ये सख्त कदम उठाया है। तेज गेंदबाज स्ट्रीक ने स्वीकार किया है कि उन्होंने आईसीसी एंटी करप्शन कोड के पांच नियमों का उल्लंघन किया है। सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक, स्ट्रीक क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कई कोचिंग भूमिकाओं रहे। उन्होंने जिम्बाब्वे की नेशनल टीम और दुनिया भर की टी20 लीगों में कई अन्य घरेलू टीमों को अपनी सेवाएं दी। उन पर 2016 से 2018 तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खेलों के लिए आरोप लगाए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। हीथ स्ट्रीक पर कई मैच में भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा था। बता दें जिम्बाब्वे के पूर्व खिलाड़ी ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के गेंदबाजी कोच और इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया है। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्ट्रीक को 2016 से 2018 तक जिम्बाब्वे के कोच के रूप में और विभिन्न घरेलू टीमों के कोच के रूप में उनकी स्थिति के आधार पर संहिता के तहत एक प्रतिभागी के रूप में चार्ज किया गया था।

आईपीएल 18.9% वोट के साथ आरसीबी के कप्तान विराट तीसरे और 11.4% वोट के साथ हैदराबाद के कप्तान वॉर्नर चौथे स्थान

39% फैन्स रोहित और 31% राहुल को बेहतर ओपनर मानते हैं, कोहली तीसरे स्थान पर, वॉर्नर को सबसे कम वोट

■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में हर टीम के पास धाकड़ ओपनर बल्लेबाज हैं। ओपनिंग बल्लेबाजी ही टीम के टारगेट देने या फिर टारगेट चेज करने की नींव रखती है। इसलिए कौन-सा ओपनर इस सीजन में अपने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाएगा? इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक सर्वे कराया।

इसमें सबसे ज्यादा 38.8% वोट मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को मिले। दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल रहे। उन्हें 30.8% वोट मिले। वहीं 18.9% वोट के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली तीसरे और 11.4% वोट के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर चौथे स्थान पर रहे।

लीग में सबसे ज्यादा रन कोहली के नाम दर्ज है

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में कोहली टॉप पर हैं। कोहली ने 193 मैच में 5911 रन बनाए हैं। इसके बाद सुरेश रैना (5422), रोहित शर्मा (5292), शिखर धवन (5282) और डेविड वॉर्नर (5257) का नंबर आता है।

पिछले सीजन में ऑरेंज कैप राहुल को मिली थी

पिछले सीजन में पंजाब की टीम प्ले-ऑफ में जगह भले ही नहीं बना पाई हो, लेकिन राहुल की प्रदर्शन शानदार रहा था। राहुल ने सीजन में सबसे ज्यादा 670 रन बनाए थे। राहुल के अलावा वॉर्नर ने 500 से ज्यादा रन बनाए थे। कोहली ने भी पिछले सीजन में 450 से ज्यादा रन बनाए थे।

आईपीएल 2021 का पहला शतक सैमसन के नाम

इससे पहले सोमवार को पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 रन से हराया था। इस मैच में राजस्थान के संजू सैमसन ने बतौर कप्तान अपने पहले ही मैच में शतक जड़ा। ऐसा करने वाले वे आईपीएल के पहले खिलाड़ी बने। यह आईपीएल में सैमसन की तीसरी सेंचुरी रही। उन्होंने शतक के मामले में एबी डिविलियर्स की बराबरी भी की।

विवाहिता की गला दबाकर हत्या, पुलिस को पति पर शक

मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले के जिगना थाना क्षेत्र के नेबूरा बानसिंह गांव निवासिनी 30 वर्षीय गूंजा बिंद पत्नी रामनरेश बिंद की गला दबाकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पत्नी के हत्या के आरोप में पति को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतका पांच बच्चों की मां थी बड़ा पुत्र सात साल का है, जबकि चार छोटी लड़कियां हैं। मौके पर एसपी के अलावा पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन,क्षेत्राधिकारी लालगंज व थाना प्रभारी जिगना पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। मृतका गूंजा की शादी 9 वर्ष पूर्व रामनरेश से हुई थी। जिसके 5 बच्चे हैं। बड़ा लड़का 7 वर्ष का तथा शेष चार लड़कियां छोटी है। मृतका के भाई मुन्नर पुत्र स्व० छटंकी के तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस सूत्रों की माने तो मृतका के पति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

जीजा के प्यार में साली ने अपने ही पति की करवा दी हत्या

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक महिला अपने ही जीजा के प्यार में ऐसी पागल हुई कि अपने ही पति की हत्या करने की साजिश रच दी और बाद में उसने अपने प्रेमी जीजा से इस हत्या को अंजाम करवाया। पुलिस ने अब दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि तीन दिन पहले पूर्णिया के कालीगंज से स्कॉर्पियो सवार 4 लोगों ने साईकिल दुकानदार मोहम्मद बाबुल को अगवा कर लिया और धमदाहा थाना क्षेत्र में उसकी गला दबाकर हत्या कर शव को फेंक दिया। पुलिस को मामले की जांच के दौरान इनलोगों पर शक हुआ, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो गया। मुफस्सिल थाना के प्रभारी आदित्य कुमार झा ने बताया, साईकिल मिस्त्री मोहम्मद बाबुल की पत्नी नवगछिया तुलसीपुर के रहने वाले अपने जीजा मोहम्म्द चांद से प्यार करती है। मृतक की पत्नी ने जीजा के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से अपने पति की हत्या करवाई। घटना में शामिल चांद को पुलिस नवगछिया स्थित उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त किए गए गाड़ी को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

राइफल, हैंडग्रेनेड के साथ 3 युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र से पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से हैंड ग्रेनेड सहित कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस गिरफ्तार अपराधियों की नक्सली गतिविधि में शामिल होने के बारे में भी जानकारी जुटाने में लग गई है। मुजफ्फरपुर (पूर्वी) के पुलिस उपाधीक्षक मनोज पाण्डेय ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार की रात धनौर गांव में छापेमारी कर एक देशी पिस्तौल, एक हैंडग्रेनेड, एक राइफल, तीन गोली और दो मोबाईल के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अपराधियों की पहचान शिवशंकर साह, फुलेस्वर साहनी और संतोष शाह के नाम से हुई है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि गिरफ्तार अपराधियों का संबंध नक्सलियों से भी हो सकता है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है। अपराधियों के पास से हैंडग्रेनेड मिलने से पुलिस भी गहन पूछताछ कर रही है।

अगले आदेश तक के लिए बोर्ड परीक्षा टली, प्रदेश में एक लाख 11 हजार से ज्यादा संक्रमित

यूपी में कोराना बेकाबू, 15 मई तक 12वीं तक के स्कूल-कॉलेज बंद

■ लखनऊ

यूपी में कोरोना की स्थिति को देखते हुए गुरूवार को योगी सरकार ने फिलहाल बोर्ड परीक्षा को टालने का निर्णय लिया है। अगले आदेश तक इन्हें स्थगित कर दिया गया है साथ ही 15 मई तक 12वीं तक के स्कूल-कॉलेज बंद रखने का निर्णय लिया गया है। उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने यह जानकारी दी है। उनका कहना है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में यह निर्णय लिया है।

इससे पहले बुधवार को उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा था कि यूपी बोर्ड की तारीखों पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति का आकलन समय-समय पर किया जा रहा है। हमारे 19 अधिकारी जो बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित हैं, इनमें से 17 अधिकारी संक्रमित हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं पहले 8 मई से शुरू होनी थीं। 10वीं की परीक्षा 25 मई को समाप्त होनी थी जबकि 12वीं की परीक्षा 28 मई को समाप्त होनी थी। लेकिन अब बोर्ड हालात की समीक्षा करने के बाद नया टाइम टेबल जारी करेगा।

उत्तर प्रदेश में कोरोना से हालात बेकाबू हो गए हैं। हर रोज संक्रमितों का नया रिकॉर्ड बन रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर

प्रमुख विपक्षी दल के नेता अखिलेश यादव तक कोरोना पॉजिटिव होकर खुद को आइसोलेट कर चुके हैं। प्रदेश में बुधवार को कोरोना संक्रमण के 20,510 नए मामले पाए गए हैं। जो कि अब तक का रिकॉर्ड है। ये जानकारी प्रदेश के प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में 4,517 लोग कोरोना से पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में इस समय कोरोना संक्रमितों की संख्या एक लाख 11 हजार 835 है।

प्रवासी कामगारों के लिए गाइडलाइन जारी

कोरोनावायरस संक्रमण के खतरे के बीच उत्तर प्रदेश लौट रहे प्रवासी कामगारों के लिए योगी सरकार ने प्रोटोकॉल जारी किया है। इसके तहत सभी जिलों में क्वारैंटाइन सेंटर बनेंगे। महाराष्ट्र, दिल्ली समेत दूसरे राज्यों से पलायन कर यूपी आ रहे प्रवासियों का जिले में स्क्रीनिंग कराना जरूरी होगा। सात दिन का क्वारैंटाइन जरूरी कर दिया गया है। यानी कोई लक्षण नहीं होने के बावजूद भी सात दिन खुद को आइसोलेशन में रहना होगा। अगर लक्षण हैं तो 14 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा।

दो हजार से अधिक मरीजों वाले 10 जनपद में रात्रि कर्फ्यू

मुख्यमंत्री योगी ने कई जनपदों के लिए सख्त आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ और गोरखपुर सहित सभी 10 जनपद जहां 2000 से अधिक एक्टिव केस हैं वहां रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक कर्फ्यू लागू किया गया है। सीएम ने कहा कि आज रात से ही आदेश लागू किए जाएंगे। इनमें कई जनपद ऐसे हैं जहां पहले से नाइट कर्फ्यू था, लेकिन अब वहां इसके समय में बदलाव किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी लखनऊ में अन्य जनपदों के मरीजों का आना स्वभाविक है। ऐसे में यहां अतिरिक्त व्यवस्था करने की आवश्यकता है। केजीएमयू और बलरामपुर हॉस्पिटल को पूरी तरह से कोरोना डेडिकेटेड हॉस्पिटल के रूप में तैयार करने को कहा गया है। हालांकि इस दौरान नॉन कोविड मरीजों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ में टीएस मिश्र हॉस्पिटल, इंटीग्रल और हिन्द मेडिकल कॉलेजों को डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के रूप में क्षमता विस्तार किए जाने की आवश्यकता है। अगले दो दिनों ने यहां अतिरिक्त बेड्स उपलब्ध कराए जाएं।

जांच के इंतजार में अस्पताल गेट पर बेहोश होकर गिरी महिला

परिजनों ने किया हंगामा, इलाज कराने में हो रही फजीहत

पटना। कोरोना के प्रकोप के बढ़ने के कारण गंभीर संक्रमितों की संख्या में अचानक वृद्धि से अस्पतालों की व्यवस्था चरमराने लगी है। बुधवार को न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल में जांच कराने के इंतजार में एक महिला अस्पताल गेट पर ही बेसुध होकर गिर पड़ी। वह घंटों वहीं गिरी रही। कोरोना के डर से कोई उसे हाथ नहीं लगा रहा था। इधर, एम्स में भर्ती नहीं होने से निराश लोगों ने हंगामा कर दिया। उन्हें शांत कराने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। अस्पतालों में इलाज कराने, भर्ती होने अथवा कोरोना जांच कराने के लिए पहुंचनेवाले लोगों की भारी भीड़ जमा होने लगी है। कोविड वार्ड में बेडों की संख्या सीमित होने के कारण लोगों को जगह नहीं मिल पा रही है और होम आइसोलेशन अथवा किसी अन्य अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी जा रही है। इस परेशानी में कोई बताने वाला नहीं मिलता है तो लोग हंगामा पर उतारू हो जा रहे हैं। एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच में भर्ती के लिए हंगामा किया। एम्स पटना में राज्यभर से लोग मरीज भर्ती कराने के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन कोविड वार्ड में जगह नहीं होने की बात कह मरीजों को दूसरी जगह बेड देखने की सलाह दी जा रही है। लगभग 50 से ज्यादा मरीज और उनके दो सौ से ज्यादा परिजन एम्स गेट के पास जमे हुए थे और निराश होकर हंगामा करने लगे।

पीएमसीएच में भर्ती कराने की गुहार: पीएमसीएच कोरोना जांच केंद्र पर दिन के 12 बजे मरीजों की लंबी कतार दिखी। कोविड वार्ड में इलाज कराने आए कई लोगों को जांच के बाद लौटाया जा रहा था। एक मरीज के परिजन एंबुलेंस चालक से नजदीक का सस्ता कोविड अस्पताल के बारे में जानकारी लेता दिखा।

लग्जरी कार से लाखों रुपए की शराब बरामद, हरियाणा के दो तस्कर गिरफ्तार

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली जिले की कांधला पुलिस ने चेकिंग के दौरान लग्जरी कार से लाखों रुपए कीमत की चुनावी शराब पकड़ी है। पुलिस ने मौके से दो शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। शराब तस्कर हरियाणा से यूपी में शराब लेकर आए थे। जिन्हें पुलिस टीम ने कैराना रोड से पकड़ लिया है। पकड़े गए शराब तस्करों से पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, शामली एसपी सुकृति माधव के निर्देश पर कांधला पुलिस द्वारा कैराना रोड पर चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को कैराना की ओर से एक लग्जरी कार डस्टर आती दिखाई दी। जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने कार की स्पीड बढ़ा दी। पुलिस टीम ने कार का पीछा करते हुए उसे रोक लिया। मौके से कार में सवार दो शराब तस्करों को दबोच लिया। कार की चेकिंग की गई तो गाड़ी के अंदर से करीब 20 पेटी हरियाणा मार्का देसी शराब और 35 मीटर रेक्टिफाई शराब बरामद की। पुलिस के मुताबिक पकड़ी गई शराब का

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उपयोग होना था। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह शराब किसी प्रत्याशी ने मंगाई थी। जिसे पुलिस ने वहां पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों शराब तस्कर हरियाणा के निवासी है। जिन्होंने पुलिस पूछताछ मैं अपनें नाम रिंकू व नवीन बताए हैं पुलिस ने पकड़े गए दोनों शराब तस्करों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है और मामले में आगे की कार्यवाही तेज कर दी है।

4 दिन में 16 लाख वैक्सीन का रखा था लक्ष्य, साढ़े 5 लाख में सिमटा अभियान

टीका उत्सव में पिछड़ा बिहारः सामान्य दिनों में तेज रही वैक्सीन की रफ्तार

■ पटना

कोरोना को मात देने वाली वैक्सीन के उत्सव में बिहार लक्ष्य से काफी पीछे छूट गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 से 14 अप्रैल तक पूरे देश में 4 दिनों तक टीका उत्सव मनाने का आह्वान किया था। इस दौरान 45 वर्ष से अधिक के लोगों को टीका लगाना था। बिहार सरकार ने एक दिन में 4 लाख टीकाकरण का लक्ष्य रखा। ऐसे में 4 दिनों में 16 लाख लोगों के टीकाकरण की योजना थी। सामान्य दिनों में भी दो लाख से अधिक टीकाकरण किया जा रहा था, इस कारण से लक्ष्य बहुत मुश्किल नहीं था।

11 से 14 अप्रैल तक 4 दिनों के टीका उत्सव में बिहार बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। टीका की रफ्तार सामान्य दिनों से भी काफी कम रही। बाकी 3 दिनों में वैक्सीन की स्थिति सामान्य दिनों से भी कम रही है। 11 अप्रैल को जिस दिन उत्सव का शुभारंभ किया गया उस दिन 206354 लोगों का टीकाकरण हुआ, 12 अप्रैल को 149002 लोगों को ही टीका लग पाया। वहीं 13 अप्रैल को हालत और खराब हो गई। 13 अप्रैल को प्रदेश में कुल मात्र 56487 लोगों का ही टीकाकरण हो पाया। जबकि, 14 अप्रैल को उत्सव की समाप्ति के दिन 132426 लोगों का टीकाकरण किया गया। ऐसे में 4 दिनों के इस विशेष उत्सव में

544269 लोगों को वैक्सीन लगाकर उन्हें कोरोना से बचाने के प्रयास में बड़ा काम किया गया।

सामान्य दिनों में वैक्सीन की रफ्तार काफी तेज रहती है। पांच अप्रैल को तो लगभग 3 लाख वैक्सीनेशन 287576 लोगों का टीकाकरण किया गया था। सामान्य दिनों में लगभग दो लाख का आंकड़ा रहता है। किसी किसी दिन यह आंकड़ा तीन लाख के भी करीब पहुंच जाता है।

वैक्सीन की आपूर्ति भी एक बड़ी बाधा

टीका उत्सव के दौरान वैक्सीन को लेकर भी सेंटरों पर समस्या आई है। वैक्सीन नहीं होने के कारण कई सेंटरों पर तो पहली डोज देना बंद कर दिया गया था। लोगों को बस दूसरी डोज दी जा रही थी। वैक्सीन को लेकर लोगों को लगातार जागरूक भी किया जा रहा था और इस दौरान सेंटरों पर भीड़ भी बढ़ी, लेकिन इसके बाद भी टीकाकरण का औसत सामान्य दिनों से भी कम हो गया यह बड़ा सवाल है।

पेड़ के नीचे बैठे तीन भाइयों को ट्रैक्टर ने रौंदा, एक की मौत

बेतिया। के गौनाहा थाना क्षेत्र के अमोलवा गांव में गुरुवार दोहपर बेलगाम ट्रैक्टर ने पेड़ के नीचे बैठे 3 लोगों को रौंद दिया। इसमें एक की जान चली गई, जबकि 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आननफानन में घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इधर, घटना की सूचना पर अनुमंडलीय अस्पताल में गौनाहा पुलिस एवं शिकारपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई। गौनाहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बेतिया भेज दिया। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से एक व्यक्ति की जान चली गई। ट्रैक्टर चालक की तलाश चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक की पहचान अमोलवा गांव निवासी प्रेमजीत कुमार (35) के रूप में की गई है। वह खेती कर अपना परिवार चलाता था। घायलों में मझरिया पंचायत निवासी रमेश कुमार (48) और मोटर चौधरी (30) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार अमोलवा गांव में खेत जुताई करने के बाद एक नए ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर घर जा रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर चालक का संतुलन अचानक बिगड़ गया,

जिससे सड़क के किनारे पेड़ के नीचे बैठे 3 लोग रौंदते हुए निकल गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तीनों को नरकटियागंज अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्रेमजीत कुमार को मृत घोषित कर दिया। मृत प्रेमजीत का भतीजा प्रदीप कुमार ने बताया कि गांव के राजेश्वर महतो का ट्रैक्टर था, जिसका चालक नथुनी महतो था। नथुनी महतो ही ट्रैक्टर लेकर खेत से घर जा रहा था। नया ड्राइवर होने के कारण उसे ट्रैक्टर चलाने की अच्छी जानकारी नहीं थी। फिर भी ट्रैक्टर मालिक ने उसे ट्रैक्टर चलाने की इजाजत दे दी। इस कारण यह घटना घटी है। परिजन पुलिस से ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने ड्राइवर को किया गिरफ्तार

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पलटा तीन मजदूरों की दबकर मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना के पालीगंज अनुमंडल मुख्यालय थाना क्षेत्र के एसएच-69 पर गुल्ली टांड गांव के पास गुरुवार के अहले सुबह अवैध रूप से बालू लेकर जा रहा ट्रैक्टर पलट गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर मौत हो गई। तीनों मृतक मजदूर पालीगंज अनुमंडल मुख्यालय थाना क्षेत्र के अंकुरी गांव के रहने वाले थे और मजदूरी कर परिवार का पेट पालते थे। मिली जानकारी अनुसार, तीनों रोज की तरह बालू उतारने के लिए ट्रैक्टर पर जा रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को जब्त करने के साथ-साथ ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। शवों को कब्जे में लेकर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में सोन नदी से अवैध बालू की खुदाई और ढुलाई का धंधा जोरों पर है। आरोप है कि पुलिस के संरक्षण में ये काम हो रहा है। इसी का नतीजा है कि आज तीन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेजना चाहती थी। इस बात पर ग्रामीण भड़क गए और पालीगंज अनुमंडल अस्पताल में ही पोस्टमार्टम कराने की मांग की।

पंचायत चुनावः जगह-जगह हिंसा, मारपीट मतदानकर्मियों को भी नहीं बख्शा

कहीं चुनाव चिह्न 'गायब' तो कहीं मतदाताओं को बैलेट पेपर ही नहीं मिले

लखनऊ। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में यूपी के 18 जिलों में मतदान हुआ।। मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा, सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लाइनें लगी दिखाई दीं। सहारनपुर में प्रधान पद के प्रत्याशी भिड़ गए। जिसके बाद एक कार में तोड़फोड़ कर दी। दूसरी में आग लगा दी। वहीं, महोबा जिले की जैतपुर की ग्राम पंचायत मंगरोल कला में प्रधान प्रत्याशी समेत चार लोगों पर जानलेवा हमला किया गया है। संतकबीरनगर जिले में हकीमराई गांव में मतदान के दौरान जमकर ईट-पत्थर चले हैं। गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया था।गाजियाबाद जिले के लोनी के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र इलाइचीपुर और खुदाबक्स गांव में दो प्रत्याशियों के एजेंटों में भिड़ंत की सूचना मिली।

मतदान केंद्रों पर अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं: आगरा जिले के 15 ब्लाक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान हुआ। वहीं कई मतदान केंद्रों पर अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं। शमशाबाद ब्लाक के ग्राम गढ़ी तुलसी बूथ पर बैलेट पेपर पर एक बीडीसी उम्मीदवार का चुनाव चिन्ह ही नहीं था। उधर, पिनाहट ब्लाक की ग्राम पंचायत चचिहा के बूथ पर मतदाताओं को जिला पंचायत सदस्य के बैलेट पेपर नहीं दिए गए। इसे लेकर मतदाताओं ने हंगामा भी किया।

बताया जा रहा है कि उम्मीदवार को आवंटित चुनाव चिन्ह प्रिंट होकर ही नहीं आया था। उम्मीदवार ने अफसरों को फोन किया, लेकिन रिसीव ही नहीं हुआ। पिनाहट ब्लाक की ग्राम पंचायत चचिहा के प्राथमिक विद्यालय छडामीपुरा के बूथ संख्या 7 पर मतदाताओं को जिला पंचायत सदस्य के बैलेट पेपर नहीं दिए गए। इससे आक्रोशित मतदाताओं ने हंगामा कर दिया। सूचना पर पहुंचे अफसरों ने मतदाताओं को शांत कराया।

जुर्म-ए-वारदात

इलाके में फैली सनसनी, मैनपुरी में 19 अप्रैल को होना है वोटिंग

मैनपुरी में बीडीसी प्रत्याशी की चाकुओं से गोदकर निर्मम तरीके से हत्या, खेत में पड़ा मिला शव

■ मैनपुरी

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में ललूपुर के बीडीसी पद के 60 साल के प्रत्याशी की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। प्रत्याशी बुधवार की शाम वोट मांगने के लिए निकला था। लेकिन रात भर घर नहीं लौटा। सुबह 9 बजे उसका खून से सना शव गांव के बाहर खेत में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच शव कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मैनपुरी में दूसरे चरण यानी 19 अप्रैल को वोटिंग होना है।सदर कोतवाली क्षेत्र

के ग्राम ललूपुर निवासी खाद-बीज विक्रेता 60 साल के राकेश राजपूत पुत्र भारत सिंह गांव के ही वार्ड से बीडीसी पद पर चुनाव लड़ रहे थे। बुधवार शाम को वे वोट मांगने के लिए घर से निकले थे। लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई।

दो प्रत्याशियों के बीच मारपीट और फायरिंग, एक गोली लगने से घायल, हालत नाजुक

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में बुधवार रात ग्राम प्रधान पद के दो गुटों में जमकर बवाल हुआ। इस दौरान तीन राउंड फायरिंग की गई। फायरिंग में पूर्व प्रधान व प्रत्याशी 50 साल के राघवेंद्र दुबे को गोली लग गई। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। उनकी हालत नाजुक है। पुलिस ने संदेह के आधार पर निवर्तमान प्रधान शंभू यादव को हिरासत में लिया है। शंभू यादव इस बार भी चुनाव लड़ रहा है। यह पूरा मामला खजनी थाना क्षेत्र के महुआडाबर (परसाडाड़) गांव का है। बुधवार की रात करीब 10:30 बजे पूर्व प्रधान गिलगिल दुबे उर्फ राघवेंद्र नारायण दुबे (50 साल) पांच साल पहले यानी 2015 तक प्रधान थे। पिछली बार गांव के शंभू यादव प्रधान चुने गए थे। इस साल दोनों एक दूसरे के आमने-सामने दावेदारी कर रहे थे। ऐसे में दोनों गुटों में वर्चस्व को लेकर तनातनी चल रही थी। पुलिस के अनुसार, मिश्रौलिया गांव में बुधवार रात वोट मांगने को लेकर ग्राम प्रधान के दो उम्मीदवारों के बीच मारपीट हुई।

कमिश्नर ने शहर का भ्रमण कर साफ सफाई का औचक निरीक्षण किया

कोरोना नियंत्रण हेतु आम जनमानस से मास्क लगाने व सोशल डिस्टेसिंग की अपील की

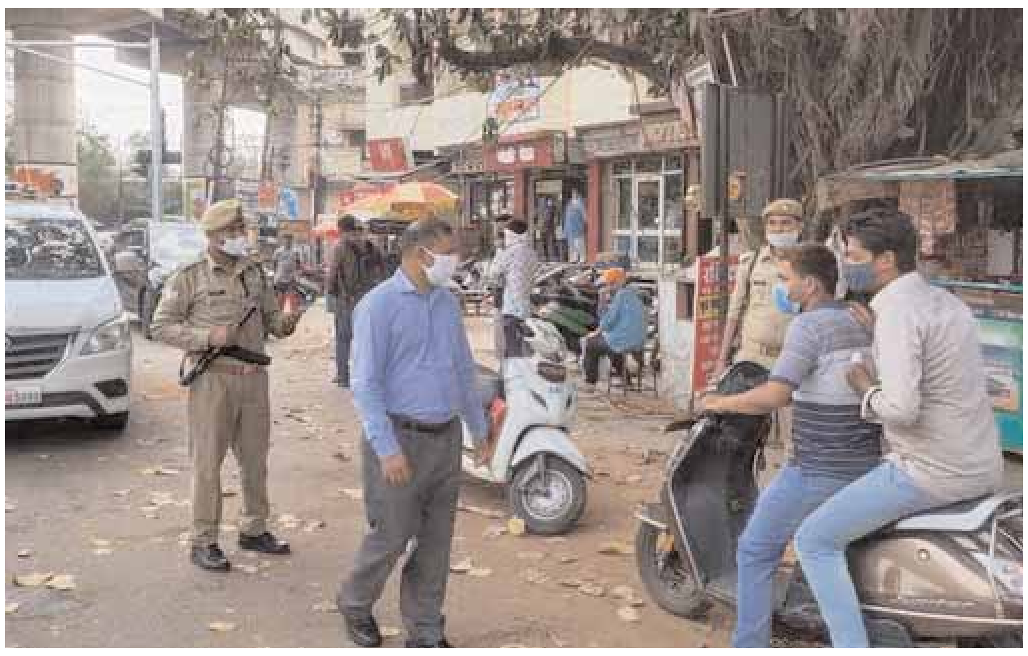

■ झांसी।

मण्डलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा ने आज शहर का औचक भ्रमण करते हुये आतियां तालाब के पास मुख्य सड़क पर फैली गन्दगी को देखा। उन्होने कोतवाली क्षेत्र से भ्रमण करते हुये सुभाषगंज मार्केट, छानियापुरा, ओरछा गेट, कसाई मण्डी के पास, हैवट मार्केट, तालपुरा, बस स्टैण्ड, सीपरी बाजार, चित्रा चैराहा क्षेत्र का निरीक्षण किया।

मण्डलायुक्त ने भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थलों पर फैली गन्दगी, नालियों में जलभराव होने से सफाई व्यवस्था न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये नगर निगम के अधिकारियों को अविलम्ब व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि शहर में बढ़ रही गन्दगी से संक्रामक रोगों के फैलने की सम्भावना अधिक रहती है, इसलिये इस व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने की अति आवश्यकता है।

मण्डलायुक्त ने शहर भ्रमण के दौरान जो लोग बिना मास्क के मिले उनसे अनुरोध किया गया कि वह अपने बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिये मास्क का उपयोग अवश्य करें। उन्होने कहा कि जनपद में कोरोना संक्रमण के मरीजों की संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है, इसलिये हम सबका जिम्मेदारी बनती है कि जब भी घर से बाहर मास्क पहनकर ही निकले और अन्य लोगों को भी मास्क लगाने के लिये प्रेरित करें। उन्होने भ्रमण के दौरान बाजारों में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में दुकानदारों से कहा कि वह ग्राहकों को सोशल डिस्टेसिंग का पालन अवश्य करायें।

कोरोना रात्रि निषेधाज्ञा रात्रि 08 बजे से प्रातः 07 बजे तक लागू रहेगी: जिला मजिस्ट्रेट

■ झांसी।

जिला मजिस्ट्रेट श्री आन्द्रा वामसी ने अवगत कराया है कि वर्तमान में कोविड-19 महामारी के प्रभावी नियंत्रण/रोकथाम के सम्बन्ध में जनपद में 02 हजार से ज्यादा एक्टिव कोरोना केसेस पाये जाने पर जनपद में रात्रि में आवागमन नियंत्रित करने के उददेश्य से रात्रि में 08 बजे से प्रातः 07 बजे तक रात्रि निषेधाज्ञा लागू किये जाने के निर्देश दिये गये है। उपरोक्त के दृष्टिगत कोविड-19 महामारी के प्रभावी नियंत्रण/रोकथाम हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 एवं महामारी अधिनियम 1897 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये इस कार्यालय द्वारा जारी किये गये पूर्व में जारी आदेश दिनांक 08 अप्रैल 2021 को अवक्रमित करते हुये आदेश निर्गत किये जा रहे है।जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि जनपद झांसी में रात्रि में आवागमन नियंत्रित करने के उददेश्य से रात्रि 08 बजे से प्रातः 07 बजे तक ह्यह्यकोरोना रात्रि निषेधाज्ञाह्लह्ल लागू रहेगी, जिसमें राज्य एवं राजकीय मार्गो पर व्यक्तियों व माल आदि का परिवहन, आवश्यक वस्तुओं को लाने-ले जाने, रात्रिकालीन शिफ्ट के सरकारी/अर्द्ध सरकारी/कार्मिक एवं आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं से सम्बन्धित निजी क्षेत्र के कामिर्कों को छूट होगी। साथ ही रेलवे एवं बस स्टेशन पर आने-जाने वालों को बाधित नही किया जायेगा। सभी सम्बन्धित ह्यह्यकोरोना कर्फ्यूह्लह्ल का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करेगे।

दलित प्रत्याशी को दी चुनाव के बाद जान से मारने की धमकी जातिसूचक शब्दों से किया अपमान

झांसी जनपद के थाना बबीना क्षेत्र ग्राम सिमरावारी के प्रधान पद प्रत्याशी चन्द्र प्रभा कोमल सिंह ने बताया कि वह घर पर थे तभी रात्रि करीब 11बजे 14 तारीख की रात में ग्राम सिमरावारी निवासी भवानी सिंह यादव व गजराज यादव ने आकर धमकी दी की चुनाव होने के बाद तुम्हें जान से खत्म कर देंगे और जातीसूचक गाली देते हुए भाग गए और दूसरे दिन वोटिंग के दिन दोपहर करीब 12 बजे द्वारा बोटिंग बूथ पर आकर जातिसूचक शब्द उपयोग करते हुए धमकी देने लगे की चुनाव बाद तुम्हारे पति को जान से खत्म कर देंगे जिस पर पीड़ित ने बबीना थाना में लिखित शिकायत पत्र दिया है और दबंग लोगों पर कार्यवाही करने की मांग की है

बच्चे के दांत निकलते समय खून बहे तो हीमोफीलिया की आशंका

विश्व हीमोफिलिया दिवस आज

कुंडली की तरह शादी से पहले जाने मेडिकल हिस्ट्री, बचें कई अनुवांशिक रोग से

हीमोफीलिया ऐसी बीमारी, जो 10 हज़ार लोगों में किसी एक को होती है

अनुवांशिक है यह रोग

मेडिकल कॉलेज में 110 मरीज करा रहे इलाज़

झाँसी, 16 अप्रैल 2021

यदि आपके बच्चे के दांत निकल रहे हैं और उसके मसूढ़ों से लगातार खून बह रहा है तो सावधान हो जाइए क्योंकि यह हीमोफिलिया के लक्षणों में से एक है। जी हां, हीमोफिलिया एक अनुवांशिक बीमारी है। इसमें शरीर से लगातार रक्तश्राव होता है। हालांकि यह समस्या लगभग दस हज़ार में से कहीं एक को होती है। आमतौर पर देखा गया है चोट लगने या घाव होने के बाद खून निकलता है और कुछ देर बाद अपने आप या फर्स्ट एड करने पर खून का बहाव बंद हो जाता है, लेकिन अगर कोई हीमोफिलिया से पीड़ित है तो ऐसा नहीं होता। खून अपने आप बहना बंद नहीं होगा। न ही शरीर में ऐसे तंत्र काम करेंगे जो खून को बहने से रोकने में सक्षम हों।

क्या है हीमोफिलिया

मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओमशंकर चौरसिया बताते हैं कि यह रोग माँ बाप से बच्चे पर आता है यानी यह रोग अनुवांशिक होता है। इस रोग से पीड़ित लोगों में क्लोटिंग फैक्टर अर्थात खून के थक्के बनना बंद हो जाते हैं। सामान्य लोगों में जब चोट लगती है तो खून में थक्के बनाने के लिए ज़रूरी घटक खून में मौजूद प्लेटलेट्स से मिलकर उसे गाढ़ा कर देते हैं। इस तरह खून अपने आप बहना बंद हो जाता है, लेकिन जो लोग हीमोफिलिया से पीड़ित होते हैं, उनमें थक्के बनाने वाला घटक बहुत कम होता या होता ही नहीं है। इसलिए उनका खून ज्यादा समय तक बहता रहता है। अक्सर इस रोग का पता आसानी से नहीं चलता है, जब बच्चे के दांत निकलते हैं और खून बहना बंद नहीं होता तब इस बीमारी के बारे में पता चल सकता है।

ऐसे होता है इलाज

डॉ. चौरसिया बताते हैं जिस तरह शादी से पहले कुंडली मिलाई जाती है उसी प्रकार आने वाले गंभीर बीमारियों जैसे डायबिटीज, हीमोफिलिया, कैंसर, रोगों से बचने के लिए मेडिकल हिस्ट्री जानना बहुत ज़रूरी है। साथ ही गभर्धारण से पूर्व माता और पिता का मेडिकल चेकअप होना बहुत आवशयक है। इस तरह से समय रहते इलाज होना संभव होता है। पूरे बुंदेलखंड में मेडिकल कॉलेज झाँसी में ही इस बीमारी का निशुल्क उपचार है। क्लोटिंग फैक्टर/ प्रोटीन को इंजेक्शन के ज़रिये दिए जाता है।

हीमोफिलिया के प्रकार

ड्ट हीमोफिलिया ए झ यह बेहद सामान्य प्रकार का हीमोफिलिया होता है, इसमें रक्त के थक्के बनने के लिए आवश्यक ह्लफैक्टर 8ह्व की कमी हो जाती है। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज झाँसी में ह्यफैक्टर 8ह्ल के 101 मरीज इलाज़ ले रहे हैं।

ड्ट हीमोफिलिया बी झ यह दुर्लभ प्रकार का हीमोफिलिया होता है,

मुख्य सचिव ने वीडियोकान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कोविड-19 की समीक्षा बैठक की

बेड की संख्या में बढ़ोत्तरी के लिए तेजी से कायर्वाही की जाये

गंभीर मरीजों को तत्काल कोविड हॉस्पिटल में भर्ती कराया जाये तथा कोविड चिकित्सालयों में जरूरी दवाओं व आक्सीजन की हमेशा उपलब्धता सुनिश्चित रहे

आक्सीजन प्लान्ट 24७7 संचालित रहें, इसके लिए प्रभावी उपाय किये जायें

दवाओं, मेडिकल उपकरण व आक्सीजन की आवश्यकताओं का जनपदवार आंकलन कर तत्काल आर्डर प्लेस कर दिये जायें

प्रतिदिन की जायेगी कोविड-19 की समीक्षा बैठक

■ झांसी।

मुख्य सचिव श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी ने वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कोविड-19 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। अपने सम्बोधन में मुख्य सचिव श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोविड चिकित्सालयों में रेमिडीसीवर इंजेक्शन और आक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसी भी जनपद में आवश्यक दवाईयों के साथ-साथ आक्सीजन व बेड की कमी न होने पाये। जनपदवार कोविड मरीजों के लिए बेड, उपकरण, दवाओं तथा आक्सीजन की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जनपदों से जो भी डिमाण्ड आ रही है, तत्काल उसे उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाये, आपूर्ति हेतु समय से सभी आर्डर अवश्य प्लेस कर दिये जायें।

उन्होंने कहा कि कोविड बेड की संख्या में बढ़ोत्तरी के लिए तेजी से कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए उनके लिए आवश्यकचिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ तथा जरूरी अन्य मानव संसाधन व मेडिकल उपकरण आदि की भी व्यवस्था पहले से कर ली जाये।

उन्होंने कहा कि जो मरीज गंभीर हैं, उन्हें तत्काल हॉस्पिटल में भती कराया जाये, तथा इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न हो। उन्होंने आक्सीजन प्लान्ट्स को भी 24७7 संचालित कराने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये ताकि किसी भी चिकित्सालय में आक्सीजन की कमी न होने पाये। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर 24७7 सक्रिय रहे। एम्बुलेन्सों की गतिविधियों, कोविड चिकित्सालयों में बेड की उपलब्धता आदि को इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर से जोड़ा जाये। इस मौके पर जिलाधिकारी श्री आंद्रा वामसी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहन पी कनय, सीएमओ डॉक्टर जीके निगम सहित प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर,

कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री

इत्यादि की प्रिंटिंग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति

संचालक

मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626